हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 336 | बेमेतरा, बुधवार 23 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

जयपुर के जामडोली में आपसी रंजिश के चलते युवक की हत्या, सोशल मीडिया पर लिखा-बदला पूरा हुआ

जयपुर। जामडोली थाना क्षेत्र की कच्ची बस्ती में बीती रात एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 22 वर्षीय विपिन नायक उर्फ विक्की के रूप में हुई है। आरोप है कि हत्या के बाद आरोपी अनस खान उर्फ शूटर ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर लिखा ङ्क आज बदला पूरा हुआ, जिसे कुछ ही देर बाद डिलीट कर दिया गया। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप के मुताबिक आरोपी अनस अपने 7 साथियों के साथ बाइक पर सवार होकर मौके पर पहुंचा था। विपिन को घर के सामने पाकर उसने आवाज देकर अंधेरे में बुलाया और सीने पर ताबड़तोड़ 14 वार किए। हमले में गंभीर रूप से घायल विपिन को स्रू ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हत्या की जानकारी मिलते ही परिजनों और मोहल्लेवासियों में आक्रोश फैल गया।

पप्पू यादव को नहीं लगता एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगी चुनाव

नई दिल्ली। पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन यादव उर्फ पप्पू यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर बड़ा दावा किया है। उनके अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए के तहत आगामी बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी। सांसद पप्पू यादव ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दी गई सलाह पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बिहार में हो रही घटनाएं और बिगड़ती कानून व्यवस्था नीतीश कुमार की विश्वसनीयता और व्यक्तित्व को नुकसान पहुंचाने की भाजपा की निरंतर कोशिश का हिस्सा हैं। एक तरफ उपेंद्र कुशवाहा और दूसरी तरफ चिराग पासवान, दोनों ओर से सवाल किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, गठबंधन धर्म के नाम पर वे उसी नेतृत्व पर हमला करते रहते हैं जिसके नेतृत्व में वे चुनाव लड़ने की योजना बनाते हैं। मेरे विचार से, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि वे नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव नहीं लड़ेंगे।

कांग्रेस का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के खिलाफ आर्थिक नाकेबंदी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशायल की टीम ने शराब घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया है। वहीं भूपेश बघेल ने आरोप लगाया है कि सत्ता पक्ष केंद्रीय जांच एजेंसियों का डर दिखाकर लगातार विपक्ष को जबरन जेल भेजने का काम कर रही है। चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के विरोध में आज कांग्रेस पूरे प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी किया इसी कड़ी में कोरबा में चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के विरोध में अंबिकापुर कटघोरा नेशनल हाईवे 130 पर जेजरा बायपास चौक पर कांग्रेसी एकत्रित हुए और ईडी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चक्का जाम कर दिया। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि किसी तरह की उपद्रव की स्थिति पर नियंत्रण रखा जा सके। पूर्व मंत्री जय सिंह अग्रवाल, रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया, कटघोरा के पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर और अन्य वरिष्ठ नेता प्रदर्शन में मौजूद हैं। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि ईडी की कार्रवाई राजनीतिक उद्देश्यों के लिए की जा रही है और विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। रामपुर क्षेत्र की विधायक फूल सिंह राठिया ने बताया कि ईडी के विरोध में आज प्रदर्शन किया जा रहा है। कोरबा जिले में ही नहीं बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है। दुर्ग में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार करने और तमनार में पेड़ो की कटाई के मुद्दे को लेकर कांग्रेस

पार्टी के द्वारा दुर्ग में भी आर्थिक नाकेबंदी की गई। और शहर के कई प्रमुख मार्गो पर चक्काजाम कर अपना विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के प्रभारी गिरीश देवांगन के नेतृत्व में दुर्ग के मिनी माता चौक पर आयोजित इस चक्काजाम में पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू,पूर्व विधायक अरुण वोरा,राजेंद्र साहू सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मिनी माता चौक से दुर्ग जिला बालोद और राजनांदगांव जिले से जुड़ता है। जिसके कारण बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही इस चौक पर बनी रहती है। लेकिन आज करीब दो घंटे तक किए गए इस चक्काजाम के कारण लोगो को आवाजाही करने में काफी परेशानियों से होकर गुजरना पड़ा। दुर्ग जिले में छह स्थानों पर कांग्रेस पार्टी ने चक्काजाम प्रदर्शन देखने को मिला। दुर्ग पुलगांव मिनी माता चौक,भिलाई 3 सिरसा गेट, सेलुद चौक,नेहरू नगर,जामुल बोगदा पुलिया और दुर्ग बेमेतरा मार्ग पर धमधा भी आर्थिक नाकेबंदी की गई।जिसके कारण नेशनल हाइवे और स्टेट हाइवे पर घंटो तक लंबा जाम लगा रहा। पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू पूर्व विधायक अरुण वोरा ने इस प्रदर्शन को लेकर कहा कि केंद्र सरकार के निर्देश पर राज्य की खनिज संपदा को अडानी समूह को हाथो सौंपा जा रहा है।

भूपेश बघेल बोले- सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी बीजेपी के गाल पर तमाचा

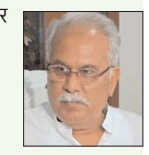

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को ईडी की ओर से गिरफ्तार करने के विरोध में छत्तीसगढ़ कांग्रेस 22 जुलाई को पूरे प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी की। राज्य के सभी नेशनल हाइवे को जाम कर केंद्र और बीजेपी की राज्य सरकार के खिलाफविरोध जताया। केंद्र सरकार, केंद्रीय जांच एजेंसियों, ईडी और उद्योगपति अडानी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पूरे प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी करते हुए चक्काजाम किया। इस दौरान रायपुर में भूपेश बघेल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी बीजेपी की केंद्र सरकार, राज्य सरकार और ईडी के गालों पर तमाचा है।

इस्तीफे की मांग खारिज करता हूं: माणिक रावे

मुझे नहीं पता ऑनलाइन रमी गेम' कैसे खेलते हैं-कोकाटे

नासिक/ एजेंसी

महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे ने मंगलवार को दावा किया कि उन्होंने अपने मोबाइल फोन पर कभी ऑनलाइन 'रमी गेम' नहीं खेला जैसा कि विपक्ष आरोप लगा रहा है। उन्होंने पद छोड़ने की मांग को खारिज करते हुए कहा कि एक मामूली मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता ने उन नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी जिन्होंने एक कथित वीडियो शेयर करके उन्हें ''बदनाम'' करने का प्रयास किया। राकांपा (शरदचंद्र पवार) विधायक रोहित पवार ने रविवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर एक वीडियो क्लिप पोस्ट किया जिसमें कोकाटे विधान परिषद के मानसून सत्र के दौरान अपने मोबाइल फोन पर ऑनलाइन 'रमी' खेलते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आते ही राजनीतिक बवाल मच गया। राकांपा (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड ने सोमवार को दो वीडियो पोस्ट किए जिनमें दावा किया गया कि कोकाटे राज्य विधान परिषद के हालिया मानसून सत्र के दौरान अपने मोबाइल फोन पर 'जंगली रमी' ऑनलाइन गेम खेलते नजर आ रहे थे।

कोकाटे के इस्तीफे की बढ़ती मांग के बीच राकांपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष सुनील तटकरे ने सोमवार को कहा कि पार्टी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस वीडियो को गंभीरता से लिया और मंत्री से बात करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

कांवड़ मार्ग पर दुकानों को लगाना होगा क्यूआर कोड

नई दिल्ली/ एजेंसी

भोजनालयों के लिए क्यूआर कोड मामले पर सुप्रीम कोर्ट से उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने क्यूआर कोड संबंधी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी होटल मालिकों को लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने क्यू कोड अनिवार्य करने के मुद्दे पर कोई निर्देश नहीं दिया। अदालत ने कहा कि अभी क्यूआर कोड के मुद्दे पर विचार नहीं किया गया है और मुख्य याचिका पर सुनवाई के दौरान इस पर विचार किया जा सकता है। मुख्य याचिका अभी अदालत में लंबित है। सर्वोच्च न्यायालय उत्तर प्रदेश सरकार के उस निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश को चुनौती दी गई, जिसमें सरकार ने कांवड़ मार्ग पर सभी खाने-पीने की दुकानों और भोजनालयों पर क्यूआर कोड स्टीकर प्रदर्शित करने और साथ ही दुकानों के बाहर बैनर लगाकर दुकान मालिक के नाम और पहचान को प्रदर्शित करने को कहा था। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तराखंड सरकार से जवाब मांगा था।

हंगामे की भेंट चढ़ी लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही

विपक्ष कर रहा गुंडागर्दी, भारत कोई धर्मशाला नहीं एसआईआर के मुद्दे पर को लेकर बीजेपी हमलावर

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विपक्षी दलों के जोरदार हंगामे के चलते मंगलवार को पूरे दिन के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई। विपक्ष की मुख्य मांग थी बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा कराई जाए और इसे वापस लिया जाए। बता दें कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के बाद बार-बार स्थगित होने के कारण सोमवार को सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही नहीं चल सकी थी। मंगलवार के दिन लोकसभा की कार्यवाही जैसे ही सुबह 11 बजे शुरू हुई, कांग्रेस समेत विपक्षी सांसदों ने जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। वे बिहार में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चर्चा की मांग कर रहे थे और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भी बहस चाहते थे। इस दौरान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष से अपील की कि वे अपनी सीटों पर लौटें ताकि किसानों से जुड़े सवालों पर चर्चा की जा सके। स्पीकर ओम बिरला ने भी विरोध कर रहे सांसदों से अनुरोध किया कि वे नारेबाजी और तख्तियां दिखाना बंद करें क्योंकि इससे सदन की गरिमा को ठेस पहुंचती है। लेकिन हंगामा जारी रहने पर सदन को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। दोपहर 12 बजे जब सदन फिर से शुरू हुआ तो स्थिति वैसी ही रही। इस बार बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल पीठासीन अधिकारी के रूप में थे। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे अपने मुद्दे लिखित रूप में बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में रखें। लेकिन हंगामा बढ़ता गया और कार्यवाही दोपहर दो बजे तक फिर स्थगित करनी पड़ी। जब दोपहर दो बजे सदन दोबारा चला, तो दिलीप सैकिया पीठासीन अधिकारी थे। उन्होंने भी विपक्ष से शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन विपक्षी सांसद वेल में पहुंच गए और नारेबाजी जारी रही। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के रवैये की निंदा की। उन्होंने कहा, 'एक ओर वे बहस की मांग कर रहे हैं और दूसरी ओर खुद ही बहस नहीं होने दे रहे हैं। यह दोहरा मापदंड है।' उन्होंने कहा कि सोमवार को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में तय हुआ था कि पहले 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा होगी। सरकार की ओर से कहा गया कि वह हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष खुद ही संसद का समय बर्बाद कर रहा है। लोकसभा के साथ-साथ विपक्ष की तरफ से राज्यसभा में जोरदार हंगामा किया गया। इस दौरान विपक्ष के सदस्यों ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जमकर हंगामा किया। जिसकी वजह से आज पूरे दिन राज्यसभा में कोई भी काम नहीं हो सका। जैसे ही सदन की कार्यवाही सुबह शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्षी सदस्य बिहार में एसआईआर, पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में चर्चा की मांग कर रहे थे।

हंगामे के कारण दो बार स्थगित हुई कार्रवाई

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने पहले दो बार सदन को स्थगित किया और आखिरकार दोपहर दो बजे के बाद सदन को पूरे दिन के लिए स्थगित करना पड़ा। इससे पहले सीपीआई सांसद पी. संतोष कुमार ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अप्रत्याशित और असामान्य इस्तीफे पर भी चर्चा की मांग की थी। हालांकि, सभी 12 स्थगन प्रस्तावों को नियम 267 के तहत खारिज कर दिया गया। दोपहर 12 बजे प्रश्नकाल के दौरान भी हंगामा जारी रहा और घनश्याम तिवारी, जो उस समय पीठासीन अधिकारी थे, ने सदन को दो बजे तक स्थगित कर दिया। इसी दौरान गृह मंत्रालय की अधिसूचना के जरिए जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे की जानकारी भी दी गई।

सामाजिक न्याय मंत्री ने सदन में रखे दो प्रस्ताव- 22 जुलाई को सामाजिक न्याय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने लोकसभा में दो प्रस्ताव रखे। जिसमें पहला प्रस्ताव, भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) के लिए दो सांसदों के चुनाव का था, जो दिव्यांगजनों से जुड़ी सेवाओं और प्रशिक्षण को नियंत्रित करता है।

घर-घर जाकर फॉर्म भरवा रहे हैं बीएलओ

आधार, मतदाता और राशन कार्ड केवल पहचान के लिए मान्य, आयोग ने बिहार में एसआईआर को सही ठहराया...

नई दिल्ली/ एजेंसी

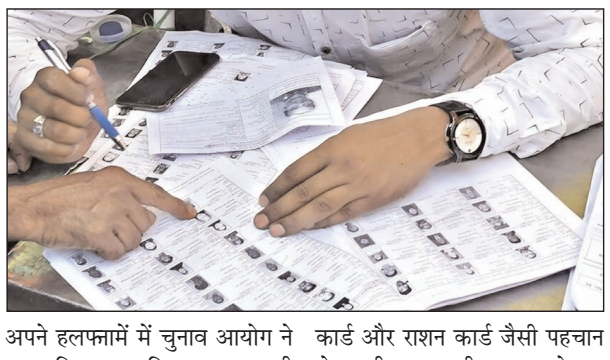

बिहार में इस साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राज्यभर की राजनीति में गर्माहट तेज है। हालांकि गर्माहट का एक और बड़ा कारण चुनाव आयोग की तरफसे मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2025) के फैसले को लेकर भी है। जहां विपक्षी दल लगातार से चुनाव आयोग के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में मंगलवार को चुनाव आयोग ने बिहार में चल रहे एआईआर-2025 को लेकर उठ रहे सवालों पर सुप्रीम कोर्ट में हलफ्नामा दायर कर सफाई दी है। अपने हलफ्नामें में चुनाव आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया चुनाव की पवित्रता बनाए रखने के लिए जरूरी है, क्योंकि इससे अयोग्य व्यक्तियों को मतदाता सूची से हटाया जाता है। आयोग ने बताया कि एसआईआर-2025 के दौरान आधार कार्ड, वोटर कार्ड और राशन कार्ड जैसी पहचान से जुड़ी जानकारी का इस्तेमाल केवल पहचान स्थापित करने के लिए किया जा रहा है, नागरिकता या निवास प्रमाण के रूप में नहीं। आयोग ने साफ किया कि आधार नंबर देना वैकल्पिक है और यह केवल पहचान के लिए लिया जा रहा है ना कि नागरिकता साबित करने के लिए। आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9 के अनुसार, आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इसके साथ ही आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का कोई भी नागरिक तभी वोट डाल सकता है जब वह 18 साल का हो और सामान्य रूप से उस क्षेत्र का निवासी हो। जो व्यक्ति इन योग्यताओं को पूरा नहीं करता, वह वोट का अधिकार नहीं रखता, इसलिए वह संविधान के अनुच्छेद 19 (स्वतंत्रता का अधिकार) और 21 (जीवन का अधिकार) के तहत कोई दावा नहीं कर सकता।

ईडी दुरुपयोग का विरोध, भोपालपटनम में कांग्रेस का चक्काजाम प्रदर्शन, विधायक विक्रम मंडावी बोले -ईडी की कार्रवाइयां लोकतंत्र पर सीधा हमला

बीजापुर/मूक पत्रिका

केंद्र सरकार द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कथित दुरुपयोग के विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर ने मंगलवार को भोपालपटनम के राष्ट्रीय राजमार्ग पर व्यापक चक्का जाम किया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया।प्रदर्शन के दौरान मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए एम्बुलेंस व स्कूल बसों के आवागमन को बाधित नहीं किया गया। इस दौरान सड़कों पर पुलिस की उपस्थिति रही, जिससे कानून-व्यवस्था बनी रही।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए बीजापुर विधायक विक्रम शाह मंडावी ने कहा-÷भाजपा की डबल इंजन सरकार ईडी का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है। यह लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों पर सीधा हमला है। सरकार की नीयत स्पष्ट है–वह

आवाज़ों को दबाना चाहती है।÷ उन्होंने आगे कहा कि 'मोदी की गारंटी' के नाम पर जनता से किए गए वादे आज तक अधूरे हैं। ÷राज्य में डबल इंजन सरकार बनने के बाद प्राकृतिक संसाधनों को उद्योगपतियों के हाथों सौंपने का काम किया जा रहा है। जल, जंगल, जमीन अब सुरक्षित नहीं हैं।÷

नेताओं ने उठाया जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा-प्रदर्शन में शामिल नेताओं ने केंद्र सरकार पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि वह जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष को डराने-धमकाने के लिए कर रही है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष लालू राठौर ने कहा,-÷हम भाजपा की तानाशाही प्रवृत्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे। लोकतंत्र को कुचलने की कोशिश करने वालों के खिलाफ जनता अब जागरूक हो चुकी है।÷

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता-प्रदर्शन में जिले के कई कांग्रेस नेता और जनप्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से-नीना रावतिया उद्दे (जिला पंचायत सदस्य), बसंत राव ताटी (पूर्व कृषक कल्याण बोर्ड सदस्य), बेहनूर रावतिया, आर. वेणुगोपाल, सुखदेव नाग, लच्चू मौर्य, जयकुमार नायर, कामेश्वर गौतम, वल्वा मदनैया, सुनील उद्दे, रमेश पामभोई, रमेश यालम, मंगल राना, चापा सुरेन्द्र, सुरेश सोढी, मिच्चा मुत्तैया और सरिता चापा शामिल रहे।प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि ईडी की कार्रवाई और दमनकारी नीतियां नहीं रुकीं, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ई डी कार्यवाही के विरोध में कांग्रेस का प्रदेशव्यापी चक्काजाम

एनएच-49 अकलतरा चौक में दिखा कांग्रेसियों का आक्रोश

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की दमनकारी नीतियों और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल की ईडी द्वारा की गई गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने बीते मंगलवार को प्रदेशव्यापी आर्थिक नाकेबंदी (चक्काजाम) का आयोजन किया। दोपहर 12 बजे से पूरे छत्तीसगढ़ में नेशनल और स्टेट हाईवे पर विरोध स्वरुप जाम लगाकर कांग्रेस नेताओं ने आक्रोश जताया। जिले के अकलतरा, तरौद चौक, राष्ट्रीय राजमार्ग 49 पर कांग्रेस द्वारा चक्काजाम किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी जुटे। कार्यक्रम प्रभारी और जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप, अकलतरा विधायक एवं जिलाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह, पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरबंश, नगरपालिका चांपा के पूर्व अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चांपा के कार्यकारी

अध्यक्ष सुनील साधवानी, जिला प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता, विधानसभा जांजगीर चांपा के युवा कांग्रेस के अध्यक्ष पंकज शुक्ला, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवा दल सहित विभिन्न प्रकोष्ठों और संगठन इकाइयों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

चक्काजाम पर बैठे कांग्रेसी नेता

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक द्वेष और तानाशाही रवैये का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी सिर्फ बदले की कार्रवाई है, जो मोदी सरकार की डर और बौखलाहट को दर्शाता है। कांग्रेस की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि चक्काजाम के दौरान एम्बुलेंस और स्कूल वाहनों को पूरी छूट दी गई है, जिससे आमजन को असुविधा न हो। इस विरोध कार्यक्रम ने जिलेभर में राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर विरोध जताया और चेताया कि यदि ऐसी कार्रवाइयां बंद नहीं हुई तो आंदोलन और तेज़ किया जाएगा।

रायपुर में 'प्रोजेक्ट दक्ष' से अधिकारी बन रहे टेक्नोलॉजी फ्रेंडली

प्रोजेक्ट दक्ष : प्राचार्यों को मिल रहा डिजिटल दक्षता का प्रशिक्षण

रायपुर/मूक पत्रिका

प्रोजेक्ट दक्षः हम होंगे स्मार्ट÷ अब एक नई दिशा और पहचान बना रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा अनुरूप और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में इस परियोजना के माध्यम से जिले के शासकीय अधिकारी और कर्मचारी डिजिटल सशक्तिकरण की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। प्रोजेक्ट दक्ष के अंतर्गत आज शिक्षा विभाग के हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी के प्राचार्यों को प्रशिक्षण दिया गया। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर प्रशासनिक कार्यों में

पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता लाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों को कंप्यूटर और मोबाइल के मूल उपयोग, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, डिजिटल डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट, ईमेल और MS Office जैसे उपयोगी टूल्स की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। मास्टर ट्रेनर्स की मदद से यह प्रशिक्षण चरणबद्ध तरीके से कलेक्टोरेट स्थित बीपीओ सेंटर मल्टीलेवल पार्किंग में संचालित किया जा रहा है। प्रतिदिन दो पाली में 25-25 बैच में प्रशिक्षण दिया रहा है। जिसमें ऑन-हैंड प्रैक्टिकल सेशन शामिल हैं। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया जाएगा और सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया जाएगा।

भक्ति रस में डूबा बेमेतरा,श्री श्याम दरबार में हुआ भव्य मनुहार कायक्रम

भक्ति की यह अविरल धारा यूं ही बहती रहे : नपाध्यक्ष विजय सिन्हा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले की पावन धरती में बीती रात भक्ति की अनुपम छाया में सराबोर हो उठी, जब श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा आयोजित मनुहार कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने खाटू श्याम बाबा के दरबार में भावपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई। यह आयोजन श्याम प्रेमियों के लिए आस्था, भक्ति और आत्मिक सुख का अद्वितीय संगम बना, जहाँ भजन, आरती और श्रद्धा की गूंज से वातावरण गूंज उठा। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ गौरव

साहू, लक्की साहू, निखिल साहू सहित श्याम भक्तों की बड़ी संख्या कार्यक्रम में सम्मिलित हुई और बाबा के दरबार से दिव्य आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्ति की यह अविरल धारा यूं ही बहती रहे, और खाटूवाले का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। इस मंगलकामना के साथ कार्यक्रम का समापन भावपूर्ण वातावरण में हुआ।

मुस्तलनार में 75 किसानों का हुआ फसल बीमा, किसानों को मूंगफली की फसल लगाने हेतु किया गया प्रेरित

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मुस्तलनार में बीते मंगलवार को ग्राम पंचायत सरपंच मनोज कोर्राम एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुरेश सावरागिरि की उपस्थिति में मुस्तलनार के 75 किसानों का फसल बीमा कराया गया एवं दंतेवाड़ा कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार मूंगफली की फसल को कलस्टर बेस में चयन किया गया है और किसानों को अधिक से अधिक मूंगफली लगते हैं तो प्रेरित किया गया है । इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच मनोज कोर्राम एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुरेश सावरागिरी ने सभी किसानों से अपने खेत एवं बाड़ी में अधिक से अधिक मूंगफली की फसल लगाने हेतु आग्रह किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच मनोज को राम एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुरेश सांवरागिरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बारिश के अभाव मे खेतो मे पडी दरार, रोपाई हुई प्रभावित

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

दक्षिण बस्तर के अन्नदाता खेती किसानी के काम में पिछड़ गए हैं। सावन महीने में खेतों में दरारें पड़ गई है। जलाभाव के कारण किसान ना रोपा लगा पा रहे हैं, ना ही बिंयासी का काम। खाद- बीज की किल्लत के बाद अब बारिश की कमी किसानों की परेशानी का सबब बन गया है। दंतेवाड़ा जिले के गीदम, कटेकल्याण, दंतेवाड़ा और कुआकोंडा ब्लॉक के 90 फीसदी किसान खेती के लिए प्रकृति पर निर्भर हैं। सिंचाई की सुविधा बमुश्किल 10 फीसदी किसानों के पास ही है। 11 जुलाई से श्रावण मास शुरू हो गया है, लेकिन इलाके में कहीं- कहीं पर हल्की बूंदाबांदी को छोड़कर बारिश नहीं हो रही है। जबकि सावन- भादों के महीने में आमतौर पर नदी, नाले और खेत जलमग्न रहते हैं। इस साल किसान भाईयों के लिए खरीफ सीजन की

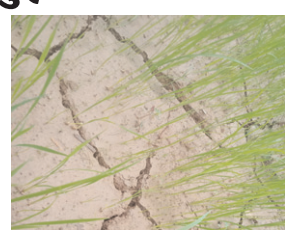

शुरुआत से ही प्रतिकूल परिस्थिति का सामना करना पड़ रहा है। नवतपा के समय से बारिश शुरू हुई। यह दौर आषाढ़ के मध्य तक जारी रहा। खेतों में पानी भरे होने के कारण किसान खुर्रा बोनी नहीं कर पाए। इस समस्या के समाधान के तौर पर बुआई के लिए लेही तकनीक अपनाया। बुआई के लिए उपयुक्त माहौल नहीं मिलने से लगभग 50 फीसदी बीज खराब हो गया। अब ताजा हालात यह है कि बारिश के बिना खेतों में दरारें नजर आ रही है। थलेश ठाकुर के मुताबिक दक्षिण बस्तर में सिंचाई की सुविधा नहीं होने से किसान केवल बारिश में ही खेती करते हैं। इन दिनों मानसूनी गतिविधि कमजोर है।

मौसम के दगाबाजी से किसान

संस्था में निवासरत विगत एक वर्ष में अब तक कुल 10 बालकों को मिला पालन पोषण देखरेख परिवार

- बाल देखरेख संस्था में निवासरत बालकों को मिला परिवार

जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका

कलेक्टर जनमेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल के मार्गदर्शन में संस्था में निवासरत विगत एक वर्ष में अब तक कुल 10 बालकों को पालन पोषण देखरेख परिवार से जोड़ा गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजेन्द्र सिंह जायसवाल ने बताया कि 17 जुलाई 2025 जिले में संचालित बाल देखरेख संस्था हेल्प एण्ड हेल्पस समिति बाल गृह बालक जांजगीर में निवासरत 02 बालकों को पालन-पोषण देखेरख परिवार को नियमानुसार संरक्षण हेतु अस्थायी आदेश पर सपुर्द किया गया। परिवार द्वारा किये गये आवेदन

के समस्त दस्तावेजों का अवलोकन करने के पश्चात सभी दस्तावेज सही पाये जाने पर बालक व परिवार का मैचिंग प्रक्रिया कराया गया। जहां बच्चों द्वारा परिवार के साथ रहने की इच्छा जाहिर किया गया एवं परिवार भी बालक को अपने साथ पालन-पोषण देखरेख हेतु ले जाने की सहमति पर संस्था में संरक्षण प्राप्त 02 बालकों को पालन-पोषण पारिवार को संरक्षण हेतु आदेश पारित किया गया। कार्यवाही में अध्यक्ष गणेश प्रसाद शर्मा, सदस्य तपोधन सिंह सिसोदिया, देव प्रसाद बर्मन, श्रीमती अनुराधा शुक्ला, श्रीमती आरती यादव सहित जिला बाल संरक्षण इकाई के समस्त स्टॉफ विशेष सहयोग रहा। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि पालन-पोषण देखरेख योजना शासन व महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत संचालित की जा रही है। जिसमें दम्पत्ति पालन पोषण हेतु नियमानुसार पात्र बच्चा अस्थायी रूप से गोद ले सकते है। अधिक जानकारी हेतु जिला बाल संरक्षण इकाई जिला जांजगीर-चांपा में संपर्क किया जा सकता है।

रात्रि में रास्ता रोककर लूट करने वाले 02 फरार आरोपियों को पकडने में थाना अकलतरा पुलिस को मिली सफलता

प्रकरण के पूर्व में 04 आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जा चुका है न्यायिक रिमांड पर

जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका

मामले में।आरोपियों के विरूद्ध धारा 309 (4), 3(5), 310 (2) बीएनएस के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

आरोपी 01. लाकेश्वर वैष्णव उर्फसूरज उम्र 22 वर्ष निवासी लोडर कॉलोनी अमोरा थाना मुलमुला। 02. चंदन उर्फदामेश वैष्णव उम्र 20 वर्ष साकिन लोडर कॉलोनी अमोरा थाना मुलमुला

मामला दिनांक 24.01.2025 को रात्रि करीब 08.00 बजे घटना स्थल थाना अकलतरा क्षेत्रांतर्गत तरौद आम रोड के पास आरोपियों द्वारा प्रार्थी नारद कुमार कश्यप निवासी किरारी थाना अकलतरा का मोटर सायकल एचएफडिलक्स तथा एक मोबाईल जुमला कीमती 60,000/- रूपये को लूटकर भाग

गये थे जिसकी सूचना पर रिपोर्ट पर थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 32/2025 धारा 309(4), 3(5), 310(2) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया था।

प्रकरण की विवेचना दौरान हाईवे रोड में लगें एवं आस पास के ग्रामों में लगे सीसीटीवी फुटेज व तकनिकी जानकारी के आधार पर आरोपी अमन कुमार साहू, सूरज कुमार घृतलहरे, राम लोचन पटेल, प्रकाश उर्फ भोला द्वारा घटना घटित करना पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्डर पर एवं एक विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्यायालय भेजा जा चुका है। लूट प्रकरण की फरार आरोपियों की पातासाजी को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन एवम अति. पुलिस अधीक्षक जांजगीर उमेश कुमार कश्यप के मार्ग में फरार आरोपी लाकेश्वर वैष्णव उर्फ सूरज एवं चंदन उर्फ दामेश वैष्णव को मुखबिर सूचना से उनके सकुनत से पकडा जिसको घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

विधायक विक्रम मंडावी बोले- भाजपा सरकार में कोई सुरक्षित नहीं ,भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग बोले -भाजपा सरकार मामले की गंभीरता को समझती है और कार्रवाई जरूर होगी

आश्रम छात्रा गर्भवती मामला : सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल, सियासी संग्राम तेज

बीजापुर /मूक पत्रिका

भोपालपटनम की कन्या आश्रम शाला की कक्षा 12वीं की छात्रा के चार माह की गर्भवती पाए जाने के बाद न केवल शिक्षा विभाग बल्कि आदिवासी विकास विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। अब यह मामला राजनीतिक तूल भी पकड़ चुका है। छात्रा को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया था, लेकिन परिजनों ने अस्पताल से छुट्टी लेकर छात्रा को साथ ले गए। इस पूरे प्रकरण ने बीजापुर जिले की आश्रम व्यवस्था की सच्चाई पर एक बार फिर से पर्दा उठा दिया है।

क्या है पूरा मामला-जिले के भोपालपटनम विकासखंड स्थित कन्या आश्रम शाला की कक्षा 12वीं में अध्ययनरत एक आदिवासी छात्रा चार माह की गर्भवती पाई गई है। छात्रा को पेट दर्द और चक्कर की शिकायत पर प्राथमिक इलाज के लिए भोपालपटनम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था, जहां से उसे जिला अस्पताल बीजापुर रेफर

किया गया।मिली जानकारी के अनुसार, छात्रा करीब तीन महीने के अवकाश के बाद 10 जुलाई को विद्यालय में उपस्थित हुई थी। 20 जुलाई को तबीयत बिगड़ने पर अधीक्षिका तोण्डेश्वरी शेट्टी द्वारा उसे भोपालपटनम ष्टाष्ट में भर्ती कराया गया, जहां डॉ. गोपी की देखरेख में प्राथमिक जांच के बाद मामला संदिग्ध पाया गया। इसके बाद छात्रा को तत्काल जिला अस्पताल बीजापुर रेफर किया गया।जिला अस्पताल में चिकित्सकीय जांच के बाद छात्रा के चार महीने की गर्भवती होने की पुष्टि हुई है।

विधायक मंडावी ने सरकार को घेरा-बीजापुर विधायक विक्रम शाह मंडावी ने इस मामले को ÷बहुत गंभीर÷ बताते हुए भाजपा सरकार पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहाः

÷भाजपा की विष्णुदेव साय की सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं है। न आदिवासी, न महिलाएं, और न ही आदिवासी छात्राएं। सरकार और प्रशासन को इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी पीड़िता से मुलाकात कर आश्रम का दौरा करेगी।÷

भाजपा जिलाध्यक्ष का पलटवार-विधायक मंडावी के आरोपों पर बीजापुर भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग ने पलटवार करते हुए कहाः ÷ऐसी घटनाएं कांग्रेस सरकार के दौरान भी हुई हैं। गंगालूर में भी एक युवती के गर्भवती होने का मामला सामने आया था। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि ऐसी लापरवाहियाँ न दोहराई जाएं। भाजपा सरकार मामले की गंभीरता को समझती है और कार्रवाई जरूर होगी।÷

मेडिकल रिपोर्ट और अस्पताल से छुट्टी-बीजापुर जिला अस्पताल की सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर ने पुष्टि करते हुए बतायाः ÷छात्रा को कल अस्पताल लाया गया था और हमने उसे एडमिट कर लिया था। लेकिन इलाज के दौरान उसकी माँ ने उपचार से मना करते हुए छात्रा को अस्पताल से ले गई। मेडिकल रिपोर्ट में छात्रा की गर्भावस्था करीब 3-4 महीने की पाई गई है।÷

जांच प्रक्रिया-मामले के सामने आने के बाद आश्रम अधीक्षिका, मंडल संयोजक और आदिवासी विकास विभाग के अधिकारियों ने फिलहाल कोई स्पष्ट स्थिति नहीं रखी है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग देवेंद्र सिंह ने कहा कि मंडल संयोजक को जानकारी सहित जिला कार्यालय बुलाया गया है और पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। अब देखना यह होगा कि जांच के बाद सच्चाई किस रूप में सामने आती है और दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है।

एसबीआई नए भवन में विदाई के नाम पर शराब पार्टी,नियमों की उड़ी धज्जियां

बीजापुर/मूक पत्रिका

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) बीजापुर शाखा को एलॉट हुए नए भवन में रविवार देर रात हुई एक 'विदाई पार्टी' आसपास के निवासियों के लिए परेशानी का सबब बन गई। पार्टी का माहौल उस समय विवादित हो गया जब यह आयोजन कथित रूप से शराब पार्टी में तब्दील हो गया और देर रात तक इसका शोर मुख्य सड़क तक गूंजता रहा।

क्या है पूरा मामला? -बीजापुर के मेन रोड पर एसबीआई को हाल ही में नया भवन आवंटित किया गया है, जहां बैंक जल्द ही स्थानांतरित होने वाला है। इसी बीच रविवार को शाखा के एक कर्मचारी की विदाई के उपलक्ष्य में नए भवन में पार्टी आयोजित की गई थी। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यह 'विदाई पार्टी' देर रात शराब पार्टी में बदल गई। तेज संगीत, शोरगुल और हुल्लड़ की वजह से आस-पास के रहवासियों को परेशानी हुई।कुछ राहगीरों ने भी देर रात बैंक परिसर से आ रही तेज आवाजों को लेकर हैरानी जताई।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यह 'विदाई पार्टी' देर रात शराब पार्टी में बदल गई। तेज संगीत, शोरगुल और हुल्लड़ की वजह से आस-पास के रहवासियों को परेशानी हुई।कुछ राहगीरों ने भी देर रात बैंक परिसर से आ रही तेज आवाजों को लेकर हैरानी जताई।

बैंक प्रबंधन की सफाई -एसबीआई बीजापुर शाखा प्रबंधक अभय प्रताप सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि, ÷कर्मचारियों ने विदाई पार्टी आयोजित की थी, लेकिन इसका उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं था। यदि किसी को असुविधा हुई है तो हमें खेद है। हालांकि उन्होंने शराब पार्टी की बात से इनकार नहीं किया और न ही यह स्पष्ट किया कि इसके लिए कोई लाइसेंस या अनुमति ली गई थी या नहीं। आबकारी विभाग के अधिकारी ने बताया कि निजी भवनों में पार्टी आयोजित करने और शराब परोसने के लिए एक दिन का लाइसेंस लेना अनिवार्य है। बीजापुर एसबीआई के नए भवन में आयोजित विदाई पार्टी के मामले में, यदि शराब परोसी गई थी, तो इसके लिए आवश्यक अनुमति ली गई थी या नहीं, यह जांच का विषय है।

अब उठ रहे हैं ये सवाल -क्या बैंक भवन जैसे सार्वजनिक परिसर में शराब पार्टी आयोजित करना वैध था?क्या एसबीआई ने आबकारी विभाग से पार्टी के लिए एक दिवसीय लाइसेंस प्राप्त किया था?क्या बैंक कर्मचारियों के इस आचरण के लिए कौन है जिम्मेदार ? कानून और व्यवस्था क्या कहती है?

एक दिवसीय लाइसेंस अनिवार्य: छत्तीसगढ़ आबकारी नियमों के तहत निजी भवनों में शराब परोसने के लिए एक दिवसीय लाइसेंस लेना अनिवार्य है।

अनुमति के बिना आयोजन अपराध: बिना अनुमति शराब पार्टी आयोजित करना कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है।

जवाबदेही तय होनी चाहिए: यदि सार्वजनिक स्थान पर किसी आयोजन से नागरिकों को असुविधा होती है, तो आयोजक संस्थान इस मामले में संबंधित कर्मचारियों को संभवत उत्तरदायी ठहराना चाहिए। क्या होगी अगली कार्रवाई? सूत्रों के अनुसार, इस मामले को लेकर स्थानीय प्रशासन और आबकारी विभाग से शिकायत की जा सकती है। यदि जांच में शराब परोसे जाने की पुष्टि होती है और बिना अनुमति यह आयोजन हुआ, तो एसबीआई के उन कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही भी संभव है।

ग्राम पंचायत कूडकानार जर्जर सड़क से रोज़ाना हादसे, ग्रामीणों ने लगाई शासन-प्रशासन से गुहार

8 वर्ष बीत जाने के बाद भी सुनवाई नहीं, प्रशासन गहरी

जगदलपुर/बस्तर/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत कुडकानार से कोलचुर को जोड़ने वाली सड़क की हालत बद से बदतर हो गई है। बारिश के मौसम में इस सड़क पर चलना बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और दुपहिया वाहन चालकों के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। कोलचुर सीधा जगदलपुर मुख्यालय होने के इस सड़क से जगदलपुर नजदीक होने के कारण आम जनता का आना-जाना रहता है आए दिन महिलाएं और बुजुर्ग गड्ढों में गिरकर घायल हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कुडकानार से 1से 2 मीटर लंबा यह सड़क सीधे बस्तर जाने वाला सड़क से जुड़ता है जिससे ग्रामीणों को जगदलपुर मुख्यालय और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आना-जाना होता है। लेकिन जर्जर हालत के कारण आए दिन वाहन फंसते हैं और पैदल चलने वालों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

8 वर्षों से सुनवाई नहीं - ग्रामवासियों के अनुसार बीते 8 सालों से विभाग को कई बार पत्र लिखकर निवेदन भेजकर सड़क मरम्मत की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। ग्राम वासी बताया कि 3 साल पहले इस सड़क का सर्वे कर शासन प्रशासन संज्ञान में लिया था रास्ते से सैकड़ों लोग रोज़ाना अपने निजी कामों, स्कूल कॉलेज और अस्पताल जाने के लिए गुजरते हैं।

सरकार से गुहार - कुडकानार पंचायत के निवासियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि कुड़कानार काजू प्लांट से होते हुए कोलचूर नेशनल हाईवे से जोड़ने वाली इस सड़क का जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू करवाया जाए, ताकि बरसात के दिनों में होने वाले हादसों को रोका जा सके और लोगों को राहत मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही सड़क निर्माण नहीं हुआ तो ग्राम वासी और उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

चावंड में सोती महिला पर भालू ने किया हमला गांव में दहशत

कांकेर/मूक पत्रिका

नरहरपुर विकासखंड के ग्राम चंवाड़ में बीती रात को सो रही महिला पर भालू ने हमला बोल दिया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को ईलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वन विभाग को खबर मिलते ही मदद के लिए टीम अस्पताल भी पहुँची। जिले के कई ईलाकों में जंगली जानवरों के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। बीती रात को ग्राम चंवाड़ निवासी 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला जानो बाई अपने घर में सो रही थी, तभी रात को भालू घर में घुस आया और अचानक हमला कर दिया। हमले में बुजुर्ग महिला को गंभीर चोटें आई हैं। बुजुर्ग महिला के चिल्लाने पर परिवार के अन्य सदस्य बुजुर्ग महिला को बचाने के लिए आए और घटना की जानकारी वन विभाग को दिया। घटना की जानकारी मिलते ही नरहरपुर थाना पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घायल बुजुर्ग महिला को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से तत्काल कांकेर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम इलाज में जुटी हुई है। भालू और तेंदुआ की आवक बनी रहती है -घटना के बाद चवड़ गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि इस इलाके में भालू और तेंदुआ नजर आते रहते है और इसके पहले भी कई घटनाएं हो चुकी है। ऐसा पहली बार हुआ है कि सो रही महिला पर घर में घुसकर भालू ने हमला बोला है। मामले को वन विभाग ने संज्ञान में लिया और ईलाके में गश्त को बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। ग्रामीणों ने जंगल से सटे गांवों में सुरक्षा उपाय बढ़ाने की भी मांग किया है।

कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी फ्लॉप, छत्तीसगढ़ की जनता ने भूपेश बघेल को दिखाया आईना

कांग्रेस केवल ढकोसले और दिखावे की राजनीति कर रही- अनुज

रायपुर /मूक पत्रिका

- बीते मंगलवार को पूरे प्रदेश में कांग्रेस पार्टी द्वारा किये गए आर्थिक नाकेबंदी को फ्लॉप बताते हुए धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस अब केवल ढकोसले की राजनीति कर रही है. जिन लोगों ने सत्ता में रहते हुए छत्तीसगढ़ को लूटने का काम किया, वे आज सच्चाई सामने आने पर बौखलाहट में सड़क पर उतरे हैं, भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने अपने पाँच साल के शासनकाल में कोयला, रेत, शराब, धान, डीएमएफ,लोहा और तो और गोबर जैसे कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया. कांग्रेस पार्टी 5 सालों में सिर्फ और सिर्फ राज्य की संपत्तियों को लूटने का कार्य किया हैं । आज जब इन घोटालों की सच्चाई सामने आ रही है और तत्कालीन सरकार के मंत्री और अधिकारी जेल की सलाखों के पीछे पहुंच रहे हैं, तब कांग्रेस आंदोलन कर रही है7 पहली बार देखा जा रहा है कांग्रेस पार्टी ने आरोपी के समर्थन में नाकेबंदी की,पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल पर 1000 करोड़ का हेराफेरी करने का आरोप है. वह कांग्रेस पार्टी का पदाधिकारी नहीं है और उसके साथ पार्टी खड़ी है. दूसरे नेता जेल गए, उसकी समर्थन में ऐसा प्रदर्शन नहीं हुआ. कांग्रेस भ्रष्टाचारियों के पक्ष में आर्थिक नाकाबंदी करके निर्दोष आम जनता को सजा देने का षड्यंत्र किया गया था। कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी पूरी तरह फ्लाप रही,आर्थिक नाकेबंदी को छत्तीसगढ़ की जनता ने नकार दिया है, भ्रष्टाचारियों का जनता समर्थन नहीं करती है,ये दिवालियापन का इससे बड़ा उदाहरण नहीं हो सकता7 हम सभी संगठनों और छत्तीसगढ़ की जनता का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने भ्रष्टाचारियों का विरोध कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

दुधावा में किसान पर भालू ने किया हमला

कांकेर/मूक पत्रिका

दुधावा क्षेत्र में बीते 21 जुलाई की शाम लगभग साढ़े पाँच बजे खेत गए चन्द्रशेखर नेताम पिता पजरू राम नेताम उम्र 50 वर्ष दुधावा निवासी पर भालू ने पीछे से हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद वहां से गुजर रहे कमलेश कुंजाम और ग्रामीणों की मदद से उन्हें उपचार के लिए कांकेर जिला अस्पताल पहुँचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

'कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी पूरी तरह विफल, आंदोलन के नाम पर नौटंकी': भाजपा नेता आशु आचार्य

कहा डू घोटाले करो, सजा मिले तो आंदोलन करो और फिर उस आंदोलन में भी घोटाला करो, यही है कांग्रेस की रीत

जगदलपुर/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के नेता आशु आचार्य ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कांग्रेस द्वारा प्रदेशव्यापी आर्थिक नाकेबंदी को पूरी तरह से विफल और जनविरोधी बताते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी यह आंदोलन किसी जनहित या नीति आधारित मुद्दे को लेकर नहीं, बल्कि अपने भ्रष्ट नेताओं को बचाने के लिए कर रही है। उन्होंने इसे एक ÷सुपर फ्लॉप शो÷ करार दिया।

आचार्य ने कहा कि, ÷आंदोलन जनता के हक़ में किए जाते हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी व्यक्तिगत और पारिवारिक हितों के लिए सड़क पर उतरती है। यह पार्टी अब 'व्यक्तिनिष्ठ और परिवार निष्ठ' संगठन बनकर रह गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस आंदोलन को भी घोटाले में तब्दील कर दिया, जैसा वह सत्ता में रहते हुए योजनाओं और संसाधनों के साथ करती रही है।

पूर्व पीएम के नाम पर झूठ फैलाने का आरोप-आशु आचार्य ने कांग्रेस नेताओं पर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन का बहाना बना कर देवेंद्र यादव और कवासी लखमा की गिरफ्तारी के समय आंदोलन न करने का बचाव किया, जो सरासर झूठ है।÷पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन 26 दिसंबर 2024 को हुआ था, जबकि कवासी लखमा की गिरफ्तारी 15 जनवरी 2025 को और देवेंद्र यादव 17 अगस्त 2024 से जेल में हैं। कांग्रेस पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर भी झूठ फैलाने से नहीं चूकती।÷रायपुर आंदोलन में मजदूरों को पैसे देकर लाने का आरोप रायपुर में हुए कांग्रेस प्रदर्शन को लेकर भी भाजपा नेता ने बड़ा आरोप लगाया। ÷कांग्रेस कार्यकर्ता अपने ही आंदोलन में शामिल नहीं हो रहे थे, इसलिए उन्हें मजदूरों को पैसे देकर कार्यकर्ता बनाकर लाना पड़ा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। कांग्रेस पार्टी अब जनता को नहीं, मजदूरों को किराए पर बुलाकर अपनी साख बचाने की कोशिश कर रही है।÷आशु आचार्य ने अंत में बताया कि छत्तीसगढ़ की जनता अब कांग्रेस की रणनीति को भली-भांति समझ चुकी है। ÷एक तरफ घोटाले करो, फिर जब कार्रवाई हो तो उसे राजनीति का रंग देकर आंदोलन करो, और उस आंदोलन में भी घोटाले करो ङ्क यही कांग्रेस की संस्कृति बन चुकी है। अब जनता कांग्रेस के बहकावे में आने वाली नहीं है।÷

पेड़ में बंधा धार्मिक भगवा ध्वज को निकाल कर फेंक दिया पेड़ को काट दिया

- धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंचाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, थाना नवागढ़ पुलिस की त्वरित कार्यवाही

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

आरोपी के विरूद्ध धारा 299 ब्नहस् के तहत कार्यवाही कर भेजा गया न्यायिक रिमांड पर। गिरफ्तार आरोपी का नाम 01. अलफ खान उर्फ गुड्डा खान उम्र 58 वर्ष निवासी खैरताल 02. शिव कुमार कश्यप उम्र 35 वर्ष निवासी खैरताल थाना नवागढ़ जिला जांजगीर चांपा मामले में सामाजिक व्यक्तियों के द्वारा धार्मिक भावना के भगवा ध्वज को रस्सी से पेड़ एवं खंभा में बांधा गया था। जिसको दोनों आरोपियों के द्वारा दिनांक 20.7.25 को सुबह धार्मिक भगवा ध्वज को निकाल कर फेंक दिया और भगवा ध्वज बंधा पेड़ को काट दिया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर दिनांक 20.07.25 को थाना नवागढ़ में अपराध क्र. 308/25 धारा 299 ब्नहस् पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। धार्मिक भावनाओं की आस्था को ठेस पहुंचाने की मामला को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के प्रकरण में तत्काल कार्यवाही के निर्देशन पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय जांजगीर विजय कुमार पैकरा के कुशल मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी नवागढ़ निरीक्षक अशोक वैष्णव के नेतृत्व तत्काल कार्यवाही करते हुए दोनो आरोपियों को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर आरोपियों के द्वारा अपना जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

अंबेडकर प्रतिमा के पास अवैध कब्जे पर हंगामा सर्व समाज ने प्रशासन को सौंपा विरोध ज्ञापन

बीजापुर/मूक पत्रिका

नगरीय क्षेत्र में अवैध कब्जाधारियों के हौसले बुलंद होते दिख रहे हैं। हाल ही में, नए बस स्टैंड के पास स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के ठीक बगल में एक अवैध कब्जाधारी ने अपनी गुमटी हटाकर पक्की दुकान का निर्माण शुरू कर दिया, जिसके बाद से तनाव बढ़ गया है। इस गंभीर मसले को लेकर सर्व समाज के प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिका परिषद बीजापुर की अध्यक्ष गीता सोम पुजारी से मुलाकात की और इस अवैध कब्जे व निर्माण को तत्काल हटाने का अनुरोध किया है। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि यह स्थल बाबा साहब से जुड़े किताबों के ग्रन्थालय के लिए आरक्षित किया गया था। प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिका अध्यक्ष को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे अवैध निर्माण शहर की सुंदरता और व्यवस्था को बिगाड़ रहे हैं। सर्व समाज के प्रतिनिधियों से भेंट करने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी ने उन्हें आश्वस्त किया है। उन्होंने कहा, ÷नगर में समाज के सभी वर्गों का ख्याल रखा जाएगा और अवैध कब्जों पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।÷ उन्होंने आगे कहा कि नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। इस दौरान नगर पालिका के उपाध्यक्ष भुवन सिंह चौहान, पार्षद विक्रम दूधी, महार समाज अध्यक्ष अजय दुर्गम, कंवर समाज अध्यक्ष कमलेश पैंकरा, मुरिया समाज युवा अध्यक्ष सतीश माड़वी, रैमनदास झाड़ी, सतीश झाड़ी, डी. नागेश्वर, प्रकाश कावरे सहित कई अन्य समाज प्रमुख और सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

छत्तीसगढ़ को बदनाम करने का कृत्य किया है बघेल ने, किसी भ्रष्टाचारी और अपराधी के पक्ष में छत्तीसगढ़ की जनता कभी नहीं आती

कांग्रेस की कथित नाकेबंदी सुपर फ्लॉप, जनता ने ही भूपेशजी को दे दिया करारा जवाब

सरकार में रहते आर्थिक अपराध कर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को ध्वस्त करने वालों की विपक्ष में रहते आर्थिक नाकेबंदी की साजिश विफल हुई : अरुण साव

रायपुर /मूक पत्रिका

बीते मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय एकात्म परिसर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि एक के बाद एक भ्रष्टाचार के मामले सामने आने के बाद कांग्रेस में भी भूपेश बघेल की स्वीकार्यता खत्म हो रही है। आखिर कब तक भूपेश बघेल, अपनी सरकार में हुए भ्रष्टाचारों पर पर्दा डालने के लिए ऐसे काम करेंगे? प्रदेशवासियों का समय जाया करते रहेंगे? आर्थिक नुकसान करते रहेंगे? पूरी कांग्रेस पार्टी को झोंकते रहेंगे? झूठ-पर-झूठ बोलते रहेंगे?

भ्रष्टाचार कर प्रदेश की जनता को सजा देना चोरी ऊपर से सीनाजोरी-श्री साव ने कहा पहली बार देखा जा रहा है कि भ्रष्टाचारियों के पक्ष में आर्थिक नाकाबंदी करके निर्दोष आम जनता को सजा देने का षड्यंत्र किया गया था। जनता का धन्यवाद कि इसे विफल कर दिया। भूपेश बघेल कह रहे है कि श्री राम को गाली देने वाले उनके पिता जीवित होते तो आरोपी के जेल जाने पर गर्व महसूस करते-श्री साव ने कहा यह आश्चर्यजनक है कि भूपेश बघेल अपने बेटे की गिरफ्तारी पर कह रहे हैं कि अगर उसके दादा आज जीवित होते तो खुश होते। अनेक बार अन्याय का विरोध करते हुए वे जेल गए थे। हम सभी जानते हैं कि हिंदुत्व का विरोध कर और श्रीराम को दुष्ट कहकर, जातिगत गाली-गलौज कर नंदकुमार बघेल जेल जाते रहे हैं। तो भूपेश बघेल को क्या अब हिंदुत्व और श्रीराम आदि अन्याय लग रहे अब? मुखौटा उतर गया है। पहले कहते थे कि उनके पिताजी से वे सहमत नहीं हैं। अब नंद कुमार बघेल से सहमत हो गए?

भ्रष्टाचार को उपलब्धि मान भूपेश भी कह रहे है उनके बेटे को देश जान गया-श्री साव ने कहा भूपेश बघेल तो इस बात पर भी गर्वित और आत्ममुग्ध हैं कि इस गिरफ्तारी के बाद उनके बेटे को पूरा देश जान गया है। एक बाप को अपने बेटे पर गर्व होता है जब वो डॉक्टर बने, इंजीनियर बने, उच्च अधिकारी बने, सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते हुए प्रसिद्धि पाए मगर किसी आर्थिक अपराध में नाम शामिल होने में कोई बाप गर्व करे तो इसे आप क्या कहेंगे? ईडी के प्रेस रिलीज से 1 हजार करोड़ के हेर फेर के आरोप सामने अब बहाने बाजी से काम नहीं चलेगा-श्री साव ने कहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), रायपुर जोनल कार्यालय की प्रेस रिलीज में भी यह आईने की तरह साफ है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और अनुसूचित अपराधों से अर्जित 2500 करोड़ रुपये से अधिक की आपराधिक आय (पीओसी) लाभार्थियों की जेबों में भर गई। श्री साव ने कहा ईडी की प्रेस रिलीज से यह पता चला है कि चैतन्य बघेल को 16.70 करोड़ रुपये की पीओसी प्राप्त हुई थी। चैतन्य ने उक्त पीओसी को मिलाने के लिए अपनी रियल एस्टेट फर्मों का इस्तेमाल किया था। इसके अलावा, चैतन्य पर शराब घोटाले के 1000 करोड़ रुपए से अधिक के पीओसी को संभालने का भी आरोप है। वह छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्कालीन कोषाध्यक्ष को पीओसी हस्तांतरित करने के लिए अनवर ढेबर और अन्य के साथ समन्वय करते थे। उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कांग्रेस की भूपेश सरकार ऐसी अनोखी भ्रष्ट सरकार थी जो अपने ही राजस्व में डाके डालती थी। आर्थिक नाकेबंदी में भूपेश को विशेषज्ञता हासिल है जब शासन में थे तो कोल, महादेव एप्प, चावल, शराब, पीएससी, घोटाला करके प्रदेश के आर्थिक विकास की नाकेबंदी इन्होंने करवायी थी। श्री साव ने कहा प्रदेश भर की जनता ने आर्थिक नाकेबंदी का विरोध किया। व्यापारिक और श्रम संगठनों ने इनकी नाकाबंदी का विरोध किया था। जनता भी खुल कर इनकी अराजकता के विरोध में आई। हम सभी संगठनों और छत्तीसगढ़ की जनता का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने भ्रष्टाचारियों का विरोध कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। प्रेस वार्ता में विधायक पुरंदर मिश्रा,भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी,सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह मौजूद रहे।

संपादकीय

धमकी नहीं चलेगी, रूस से व्यापार हमारे हित में है; स्पष्ट संदेश

इसमें कोई दोराय नहीं कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को खत्म करने के लिए सभी जरूरी विकल्पों पर काम होना चाहिए और खासतौर पर इसमें वैसे देशों को अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए, जो इसमें अपना कुछ प्रभाव रखते हैं। संभव है कि अमेरिका भी रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत ही चाहता हो। मगर जिन देशों से इस युद्ध को खत्म कराने के लिए कुछ करने की उम्मीद की जा रही है, क्या धौंस या धमकी के जरिए उनसे ऐसा करा पाना मुमकिन है? पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सुविधा के मुताबिक और हित में कई देशों पर शुल्क लगाने या बढ़ाने के विकल्प को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में अब रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने को लेकर भी बेजा दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो के महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को भारत, चीन और ब्राजील को यह चेतावनी दी थी कि अगर वे रूस के साथ व्यापार करना जारी रखते हैं, तो उन पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इससे पहले ट्रंप ने भी यह कहा था कि अगर यूक्रेन को लेकर जल्दी ही शांति समझौता नहीं किया गया, तो रूस से सामान खरीदने वाले देशों पर सौ फीसद तक का शुल्क लगाया जाएगा। जाहिर है, यह बहुध्रुवीय विश्व में अन्य देशों को अपनी सुविधा और नीतियों के मुताबिक फैसले लेने की आजादी और संप्रभुता पर डाला जाने वाला एक दबाव है, जिसकी दिशा अमेरिका की इच्छा के हिसाब से संचालित करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए भारत ने स्वाभाविक ही प्रतिबंध लगाने की धमकी के खिलाफ सख्त प्रतिक्रिया दी है। भारत ने गुरुवार को इस मामले में 'दोहरे मापदंडों' के प्रति आगाह किया और जोर देकर कहा कि रूस से उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हितों और बाजार की गतिशीलता पर आधारित है। दरअसल, दिसंबर, 2022 में जब रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाया गया था, तब यूरोपीय संघ और अमेरिका ने यह उम्मीद की थी कि इस पाबंदी से रूस की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा और उसे यूक्रेन के साथ युद्ध को खत्म करने पर मजबूर किया जा सकेगा। मगर तब रूस से भारत और चीन ने तेल की खरीद जारी रखी और यही वजह है कि प्रतिबंध ज्यादा कारगर साबित नहीं हुए। सवाल है कि अगर नाटो और अमेरिका अन्य देशों के नीतिगत मामलों में इस स्तर पर जाकर दखल देना चाहते हैं, तो क्या यह प्रत्यक्ष रूप से दोहरे मापदंड नहीं हैं! राष्ट्रपति बनने के साथ ही ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म कराने के लिए बढ़-चढ़ कर दावे किए थे। मगर अब यह साफ है कि इस दिशा में ट्रंप की कोशिशों का कोई असर नहीं हुआ। उल्टे अमेरिका यूक्रेन को हथियार मुहैया करा रहा है। अब नाटो भारत, चीन और ब्राजील से रूस के राष्ट्रपति को फोन करके शांति वार्ता के लिए गंभीर होने को कह रहा है तो इसके क्या मायने हैं? भारत के पास अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं, उपलब्धता के सीमित विकल्प हैं और फिलहाल जो वैश्विक परिस्थितियां बनी हुई हैं, उसी के मुताबिक कदम उठाना होगा। यों भी एक संप्रभु देश अपनी जरूरतों के मुताबिक ही अपनी दिशा तय करता है और भारत ने यह साफ संदेश दे दिया है। इसके बावजूद अगर नाटो और अमेरिका की ओर से भारी शुल्क या फिर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी जाती है तो दरअसल यह टकराव और दबाव की वही नीति है, जिसे खत्म करने की वे इच्छा जता रहे हैं।

पंच परिवर्तन क्या है? इससे क्या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं 'स्व' पर आधारित हों। 'स्व' आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता 'स्व' की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिर्वतन के बिना व्यवस्था परिर्वतन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं। वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे।

पंच परिवर्तन से बदल जाएगा समाज का चेहरा-मोहरा

(प्रो. संजय द्विवेदी)

किसी भी राष्ट और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक जीवंत लोकतंत्र की गारंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ-साथ चलते हैं।

इतिहास के चक्र में किसी सांस्कृतिक संगठन के सौ साल की यात्रा साधारण नहीं होती। यह यात्रा बीज से बिरवा और अंततः उसके वटवृक्ष में बदल जाने जैसी है। ऐसे में उस संगठन के भविष्य की यात्रा पर विमर्श होना बहुत स्वाभाविक है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प भविष्य के भारत की रचना में सहयोगी बन सकते हैं।

अपने शताब्दी वर्ष में संघ ने 'पंच परिवर्तन' का संकल्प लिया है। यह पंच परिवर्तन क्या है? इससे क्या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं 'स्व' पर आधारित हों। 'स्व' आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता 'स्व' की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिर्वतन के बिना व्यवस्था परिर्वतन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं। वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे। किंतु अंग्रेजों के बाद सत्ता में आए नायकों ने सारा कुछ बिसरा दिया। उस आरंभिक समय में भी दीनदयाल उपाध्याय और डा. राममनोहर लोहिया जैसे नायक भारत की आत्मा में झांकने का प्रयास करते रहे किंतु सत्ता की राजनीति को वे विचार अनुकुल नहीं थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिर्वतन का जो संकल्प लिया है,वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1.नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4.समरसता, 5.कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिर्वतन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और 'नया भारत' बनाने का संकल्प झलकता है।

नागरिक कर्तव्यबोध से नवचेतन का संचार-किसी भी राष्ट और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक जीवंत लोकतंत्र की गारंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ-साथ चलते हैं। अपनी माटी के प्रति प्रेम, उत्कट राष्टभक्ति ही सफल राष्ट का आधार है। जापान जैसे देशों का उदाहरण देते समय हमें देखना होगा कि क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना और संवेदना वही है जो एक जापानी में है। आखिर क्या कारण है कि अपनी महान परंपराओं, ज्ञान परंपरा के बाद भी हम एक लापरवाह और कुछ मामलों में अराजक समाज में बदलते जा हैं। कानूनों को तोड़ना यहां फैशन है। यहां तक की हम सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और सड़कों पर रेड लाइट का उल्लंधन करने से भी बाज नहीं आते। ये बहुत छोटी बातें लगती हैं, किंतु हैं बहुत बड़ी। चुनावों में शत प्रतिशत मताधिकार तो दूर का सपना है। बहुत शिक्षित शहरों में वोटिंग 50 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाती। ये सूचनाएं बताती हैं कि हमें अभी जागरूक नागरिक या सजग भारतीय होना शेष है।कानूनों का पालन, कर का समय पर भुगतान, सामाजिक और सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। एक शानदार समाज की पहचान है कि वह अपने परिवेश को न सिर्फ स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करता है बल्कि अपने प्रयासों से अन्यों को भी प्रेरित करता है। देखा जाता है कि हममें अधिकार बोध बहुत है किंतु कर्तव्यबोध कई बार कम होता है। जबकि संविधान हमें मौलिक अधिकारों के साथ

कर्तव्यों की भी सीख देता है। हमारे धार्मिक ग्रंथ हमें नागरिकता और सामाजिक आचरण का पाठ पढ़ाते हैं। सवाल यह है कि हम उन्हें अपने जीवन में कितना उतार पाते हैं।

स्वदेशी से बनेगा स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर भारत -पंचपरिवर्तन का दूसरा सूत्र है 'स्वदेशी'। स्वदेशी सिर्फ आत्मनिर्भरता का मामला नहीं है यह राष्ट्रीय स्वाभिमान का भी विषय है। अपनी जमीन पर खड़े रहकर विकास की यात्रा ही स्वदेशी का मूलमंत्र है। विनोबा जी कहते थे- स्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसे सादगी से भी जोड़ता है। जिसके मायने हैं मितव्ययिता से जियो, कंजूसी से नहीं। स्वदेशी का सोच बहुत व्यापक है। परिवारों में भाषा, वेशभूषा, भवन, भ्रमण, भजन और भोजन ये छः चीजें हमारी ही होनी चाहिए। हम विदेशी भाषा, बोलें, दुनिया के साथ संवाद करें। किंतु अपने परिवारों अपनी मातृभाषा का उपयोग करें। विदेशी वस्त्रों से परहेज नहीं किंतु पारिवारिक मंगल आयोजनों और उत्सवों में अपनी वेशभूषा धारण करें। स्वभूषा, उपासना पद्धति, भोजन हमारा होना चाहिए। इसी तरह हम पूरी दुनिया घूमकर आएं किंतु भारत के तपोस्थलों, तीर्थस्थलों, वीरभूमियों तक भी हमारा प्रवास हो। हमारे परिजन जानें की राणा प्रताप कौन हैं और चित्तौड़गढ़ कहां है। शिवाजी कौन थे और रायगढ़ कैसा है। जालियांवालाबाग कहां है। इसी तरह हमारे घर भारतीयता का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखने चाहिए। वहां एक भारतीय परिवार रहता है ,यह प्रकट होना चाहिए। महापुरूषों की तस्वीरें। अपनी भाषा में नाम पट्ट और स्वागतम् जैसे उच्चार लिखे हों। परिवारों में हमारी संस्कृति की छाप साफ दिखनी चाहिए। तुलसी का पौधा और पूजाघर के साथ, किताबों का एक कोना भी हो जिसमें हमारे धार्मिक ग्रंथ गीता, रामायण, महाभारत आदि अवश्य हों। उनका समय-समय पर पाठ भी परिवार के साथ हो। हमारी जीवनशैली आधुनिक हो किंतु पश्चिमी शैली का अंधानुकरण न हो। परिवार में काम करने वाले सेवकों के प्रति सम्मान की दृष्टि भी जरूरी है। ऐसे अनेक विषय हैं जिन पर विचार होना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण से होगी जीवन रक्षा - प्रकृति के साथ संवाद और सहजीवन भारत का मूल विचार है। अपनी नदियों, पहाड़ों और पेड़-पौधों में ईश्वर का वास देखने की हमारी संस्कृति और परंपरा रही है। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। प्रदूषण आज बहुत बड़ी चिंता बन गया है। कुछ भी स्वच्छ नहीं रहा। हवा भी जहरीली है। इसलिए हमें अपने भारतीय विचारों पर वापसी करनी ही होगी। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सार्थक संवाद ही हमें बचा पाएगा। ग्लोबल वार्मिंग जैसी चिंताएं हमारे सामने चुनौती की तरह हैं। पानी, बिजली को बचाना, प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के साथ वाहनों का संयमित उपयोग जरूरी है। एयरकंडीशनर का न्यूनतम उपयोग, वनों और जंगलों की रक्षा जैसे अनेक प्रयासों से हम सुंदर दुनिया बना सकते हैं। घरों में पेड़-पौधे लगाएं और हरित घर का संकल्प लें। सच तो यह है कि अगर हम पर्यावरण की रक्षा करेंगें तो वह हमारी रक्षा करेगा।

सामाजिक समरसता से बनेगी सुंदर दुनिया - सामाजिक समरसता के बिना कोई भी राष्ट अग्रणी नहीं बन सकता। गुरु घासीदास कहते हैं- 'मनखे-मनखे एक हैं।' किंतु जातिवाद ने इस भेद को गहरा किया है। तमाम प्रयासों के बाद भी आज भी हम इस रोग से मुक्त नहीं हो सके हैं। भेदभाव ने हमारे समाज को विभाजित कर रखा है, जिसके चलते दुनिया में हमारी छवि ऐसी बनाई जाती है कि हम अपने ही लोगों से मानवीय व्यवहार नहीं करते हैं। राष्टपिता महात्मा गांधी कहते थे- 'अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है।' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक रहे पू. बालासाहब देवरस ने इस संकट को रेखांकित करते हुए बसंत व्याख्यानमाला में कहा था कि- 'अगर छूआछूत गलत नहीं है दुनिया में कुछ भी गलत नहीं है, इसे मूल से नष्ट कर देना चाहिए।' ऐसे में हमें यह समझना होगा कि जो कुछ भी सैकड़ों सालों से परंपरा के नाम पर चल रहा है वह हमारा धर्म नहीं है। इतिहास में हुए इन पृष्ठों का कोई भी सभ्य समाज समर्थन नहीं कर सकता। जबकि हमारे धर्म ग्रंथ और शास्त्र इससे अलग हैं। हमारे ऋषि और ग्रंथों के रचयिता सभी वर्गों से हैं। भगवान बाल्मीकि और वेद व्यास इसी परंपरा से आते हैं। यानि यह भेद शास्त्र आधारित नहीं है। यह विकृति है। इससे मुक्ति जरूरी है।हमें इसके सचेतन प्रयास करते हुए अपने आचरण, व्यवहार और वाणी से समरसता का अग्रदूत बनना होगा। सभी समाजों और वर्गों से संवाद और सहकार बनाकर हम एक आदर्श समाज की रचना में सहयोगी हो सकते हैं। इससे समाज का सशक्तिकरण भी होगा। समानता का व्यवहार, वाणी संयम, परस्पर सहयोग, संवेदनशीलता से हम दूरियों को घटा सकते हैं और भ्रम के जाले साफ कर सकते हैं। साथ ही अपने गांव, नगर के मंदिर, जलश्रोत, श्मशान सबके लिए समान रूप से खुल होने ही चाहिए। इसमें कोई भी भेद नहीं होना चाहिए।

हमारी शक्ति है 'कुटुंब' -आज का सबसे बड़ा संकट कुटुंब का बिखराव है। एकल परिवारों में बंटते जाना और अकेले होते जाना इस समय की त्रासदी है। जबकि कल्याणकारी कुटुंब वह है जहां सब संरक्षण, स्नेह और संवेदना के सूत्र में बंधे होते हैं। जहां बालकों को प्यार और शिक्षा, वयस्कों को सम्मान और बुजुर्गों को सम्मान और सेवा मिलती है। परिवार हमारी शक्ति बनें इसके लिए पंच परिवर्तन का बड़ा मंत्र है- कुटुंब प्रबोधन। कुटुंब की एक परंपरा होती है। हम उसे आगे बढ़ाते हैं और संरक्षित करते हैं। मूल्यआधारित जीवन इससे ही संभव होता है। परिवार के मूल्यों से ही बच्चों को संस्कार आते हैं और वे सीखते हैं। जैसे देखते हैं वैसा ही आचरण करते हैं।कुटुंब दरअसर रिश्तों का विस्तार है। जिसमें पति-पत्नी और बच्चों के अलावा हमारे सगे-संबंधी भी शामिल हैं। उनके सुख में सुख पाना, दुख में दुखी होना और उन्हें संबल देना हमें मनुष्य बनाता है। इसके लिए बच्चों के साथ-साथ रिश्तों को समय देना जरूरी है। औपचारिक और अनौपचारिक रुप से कार्यक्रमों, खान-पान, उत्सवों के माध्यमों से ये रिश्ते दृढ़ होते जाएं यह बहुत जरूरी है। पंच परिवर्तन के साधारण दिखने वाले सूत्रों में ही भारत की आत्मा के दर्शन होते हैं। इन सूत्रों को अपनाकर हम एक सुंदर बनाने की दिशा में बड़ा काम कर सकते हैं। संघ की शताब्दी वर्ष में लिए गए ये संकल्प हमें एक समाज और राष्ट के रूप में संबल देने का काम करेगें इसमें दो राय नहीं है। 22 जनवरी,2024 को अयोध्या में राममंदिर में भगवान की प्राणप्रतिष्ठा के बाद राम राज्य की ओर हम बढ़ चले हैं। राम राज्य के मूल्य हमारे जीवन में आएं।

दादी-नानी की कहानियां व लोरियां में छिपा सकारात्मक संदेश

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

दरअसल दादी-नानी की कहानियां भले ही उनमें से कुछ कपोल कल्पना के आधार पर हो या फिर राजारानी की कहानियां हो बच्चों के कोमल मन को एक संदेष देती थी। इसके साथ ही उस जमाने में बच्चों को पढ़ने-पढ़ाने की आदत ड़ाली जाती थी।

पापा की परी या परा हो या दादी-नानी के नाती-पोतें, दादी-नानी की कहानियां या लोरियां आज बीते जमाने की बात हो गई है। दादी-नानी की कहानियां व लोरियों में सकारात्मक संदेश छिपा होता था। यह कोई मनोरंजन का माध्यम ना होकर बच्चों के मानसिक, पारिवारिक व सामाजिक समझ और जिज्ञासु प्रवृति को बढ़ावा देती थी। बच्चों में क्यूरिओसिटी बढ़ाने के साथ ही सार्थक अंत होने से बच्चों को कोई ना कोई संदेश अवश्य मिलता था। यह कोई हमारे देश की ही बात नहीं थी अपितु समूचे विष्व में दादी-नानी की कहानियों व लोरियों से बच्चों को एकाग्रता, जिज्ञासु प्रवृति, सोच व कल्पना शक्ति को बढ़ावा देने के साथ ही संवेदनशीलता और संबंधों की अहमता को समझाने में सहायक होती थी। अब वैश्विक अध्ययनों से यह साफ हो गया है कि इसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। हांलाकि यह जेनेरशन जेड यानी की 1996 से 2010 की पीढ़ी इस तथ्य को अभी समझ नहीं पा रही है पर वैश्विक अध्ययनों ने यह साफ कर दिया है कि हालात यही रहे तो आने वाली पीढ़ी से संवेदनशीलता और अच्छे-बुरे की बात करना कोई मायने नहीं रखेगी। दरअसल आज के बच्चों की दुनिया दादी-नानी की कहानियां या लोरियों के स्थान पर मोबाइल और टीवी स्क्रीन पर खुराफाती, हिंसात्मक, नकारात्मक, नित नए दुश्चक्र रचते और संबंधों को तार तार करते सिरियलों या इसी तरह के एपिसोड़ से दो चार हो रही है। आज के बच्चों में हिंसा, बदले की भावना, इच्छा, मिल बांटने के स्थान पर एकलखोरी और ना जाने कितनी ही नकारात्मकता मोबाइल और टीवी स्क्रीन पर चलने वाले सिरियलों, एपिसोड़ों और प्रसारित होने वाले गेम्स के माध्यम से परोसी जा रही है। इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। बच्चों में रेवेन्ज की भावना कूट कूट कर भरती जा रही है तो सहनशक्ति तो कोई मायने ही नहीं रखती। रिश्ते तार तार हो रहे हैं यह एक अन्य बात है। जेन जेड़ पीढ़ी की मानसिकता का असर आने वाली पीढ़ी पर दिखाई देने लगी है। जेन जेड बिना काम की प्रतिस्पर्धा में तो आगे हैं पर सामाजिक समरसता की भावना से दूर होती जा रही है। अपने में सिमटती यह पीढ़ी देश और समाज को सकारात्मकता क्या दे पायेगी यह सवालों के घेरे में आने लगा है।

दरअसल दादी-नानी की कहानियां भले ही उनमें से कुछ कपोल कल्पना के आधार पर हो या फिर राजारानी की कहानियां हो बच्चों के कोमल मन को एक संदेष देती थी। इसके साथ ही उस जमाने में बच्चों को पढ़ने-पढ़ाने की आदत ड़ाली जाती थी। लाइब्रेरी का कांसेप्ट तो आज बदल ही चुका है। आज लाईब्रेरी का अर्थ किराये के स्थान पर बनी केबिननुमा दढ़बे में अपने घर से ले जाई गई किताबों को रटने तक सीमित हो गया है। मौहल्लों में पांच-सात घरों की दूरी पर ही इस तरह की लाइब्रेरी मिल जाएगी। जबकि एक जमाने में लाइब्रेरी के मायने ज्ञानवर्द्धक पुस्तकें, समाचार पत्र-पत्रिकाएं आदि को वहां बैठकर पढना व आवश्यकता होने पर लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त कर पुस्तक आदि घर लाकर पढ़ना होता था। आज तो पढ़ने-पढ़ाने की आदत ही समाप्त होती जा रही है। एक समय था जब वार्षिक परीक्षाओं के बाद बारी बारी से दादी-नानी के घर धमाचौकड़ी होती थी। मजे की बात की सभी मिजाज के हम-उम्र बच्चें होने से आपसी तालमेल की शिक्षा भी मिल जाती थी। फिर रात को दादी-नानी के साथ सोने और सोने से पहले कहानियां सुनने का सिलसिला चलता था। इससे कोमल मन को अलग तरह का ही संदेश मिलता था। चंदामामा, चंपक सहित बहुत सी बच्चों की पत्रिकाएं घर में होना और बच्चों के पास होना गौरव की बात माना जाता था। आपस में बांट कर बारी बारी से पढ़ने की हौड़ लगती थी। खैर यह बीते जमाने की बात हो गई है। अब तो गुगल गुरु ने लगभग सभी की पढ़ने पढ़ाने की आदत को ही बदल कर रख दिया है।

डिजिटल युग के इस दौर में सोशल मीडिया के माध्यम समूचे समाज को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं। शहरीकरण के साथ ही संयुक्त परिवार का स्थान एकल परिवार ने ले लिया है तो समय की कमी, अंधी प्रतिस्पर्धा, माता-पिता व परिजनों का लिखने पढ़ने से परहेज, बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में ही जुटा देने और होमवर्क और ट्यूशन कल्चर पढ़ाई की दशा और दिशा को ही बदल दिया है। कोरोना के बाद तो जिस तरह से मोबाइल को ही अध्ययन का माध्यम बनाया गया उससे भी बच्चे मोबाइल के दास हो गए। अब तो स्कूलों में भी सभी संदेश मोबाइल पर ही देने का चलन चल गया है और इससे स्कूल की डायरी का भी कोई महत्व नहीं रह गया है। ऐसे में मोबाइल ही माध्यम हो जाने से बच्चों का मोबाइल गेम्स से लेकर सोशल मीडिया के माध्यमों द्वारा बालमन को सीधे सीधे प्रभावित किया जा रहा है।

मनोविज्ञानियों और शिक्षा-समाज के क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञों को दायित्व इससे और अधिक बढ़ गया है। एक समय था जब बच्चों को कोर्स में पढ़ाई जाने वाली पुस्तकों के इतर मानसिक और चारित्रिक विकास वाले साहित्य को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता था। आज पंचतंत्र, हितोपदेश, ईसप की कहानियां जेन जेड पीढ़ी भी नहीं जानती होगी तो फिर देश विदेश के अन्य उत्कृष्ट साहित्य को पढ़ने पढ़ाने की तो दूर की बात होगी। देखा जाये तो सोशल मीडिया, इंटरनेटी आभासी दुनिया, एकल और प्रतिस्पर्धात्मक पारिवारिक स्थिति से बालपन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। अवकाश के दिनों में दादा-दादी या नाना नानी के पारिवारिक माहौल के स्थान पर किसी पिकनिक या पर्यटन स्थल पर जाना प्राथमिकता हो गया है। ऐसे में सामाजिक पारिवारिक संबंधों की गहनता की बात नहीं की जा सकती। मानवीय संवेदनायुक्त नई पीढ़ी के लिए अभी से गंभीर सोच की आवश्यकता है। सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों या स्क्रीन पर परोसी जा रही सामग्री में बदलाव लाना होगा ताकि नई पीढ़ी को संस्कारित किया जा सके। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

समाज में व्याप्त दृष्टि-दोष और महिला की छवि में सुधार

विश्व स्तर की महिला नेता को पुरुष नेताओं के गाल पर जुम्बिश क्यों देनी पड़ती है? पहले तो यह पाश्चात्य देशों तक सीमित था पर अब कुछ भारतीय नेता भी विदेशी महिलाओं से यह 'सम्मान' लेने लगे हैं जो आने वाले कल के लिए खतरे की घंटी है।ऐसा लगता है कि समाज दृष्टि-विकृति नामक रोग से पीड़ित है जिसमें हर चीज विकृत दिखती है। समाज की यह विकृति आधुनिक युग की उपभोक्तावादी संस्कृति का भी परिणाम है।

(डॉ. सुधा कुमारी)

अग्नि की तरह नारी भी बहुत शक्तिशाली तत्व और ऊर्जा का एक अजस्त्र स्रोत है किन्तु वह अग्नि की तरह एक ऊर्जा मात्र नहीं, करुणा-दया-ममता संपन्न एक समर्थ मानव प्रजाति है। मगर दुनिया भर में सभी संस्कृतियों और समाज के कुछ लोग नारी के बारे में एक अरुचिकर धारणा और दोषपूर्ण दृष्टि रखते हैं। 'कुछ लोग' का अर्थ है- महिलाओं, बच्चों और बहुत से संस्कारी लोगों को छोड़कर बचे हुए कुछ अहंकारी और अज्ञानी लोग जो विश्व के 50 प्रतिशत से काफी कम हैं।

ये कुछ लोग संख्या में अल्पमत में होते हुए भी सामाजिक धारणा को विकृत बनाने में काफी सक्रिय रहते हैं। ये नारी के हर रूप जैसे- मां, बहन, बेटी, पत्नी, अन्य सम्बन्धी, महिला मित्र, बॉस या सहकर्मी- पर नियंत्रण पाने और सारे अधिकार स्वयं हड़प जाने के लिए नारियों से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक (सौंदर्य, दया, कोमलता आदि) सभी प्रकार के मानवीय गुणों की आशा रखते हैं और मांग करते हैं कि वे बिना किसी शर्त के, बिना कोई प्रश्न पूछे, बिना किसी अधिकार या लाभ की आशा के उन्हें जीवन भर भरपूर प्रेम और निष्ठापूर्वक सेवा प्रदान करें।

नारी-सम्बन्धी विकृत सामाजिक धारणा को परंपरा और संस्कार का रूप देना इनका एक योजनाबद्ध प्रयास है। इसीका एक और पहलू है कि उपहास, आलोचना, पीछा करना, जासूसी तथा अपराध द्वारा नारी का मनोबल गिराने की कोशिश होती है। काल्पनिक कहानियां गढ़कर युवा और सुन्दर नारी को किसी बूढ़े, अपाहिज और विरूप मनुष्य या भालू-बंदर की माँ, बहन या पत्नी बनाकर दिखाया जाता है और बूढ़ी, साधारण या विरूप नारी का उपहास या आलोचना होती है। सोशल मीडिया, विशेषकर यूट्यूब पर, नकारात्मक प्रोजेक्शन भरे हुए होते हैं।

हमारे सुसंस्कृत भारत के सभी फैशन शो, नृत्य, संगीत या कॉमेडी शो, 'टैलेंट हंट', पार्क या सड़क पर देख लें- अधिकांश पुरुष सर से पांव तक कपड़ों में ढंके होंगे पर अधिकांश महिलाओं का आधा या तीन चौथाई शरीर खुला ही मिलता है। भारतीय पुरुषों को पारंपरिक ढीले वस्त्र धोती-कुरता की जगह पाश्चात्य वस्त्र- पैंट-शर्ट, सूट-टाई पहनना सिखाया जाता है जिससे वे स्मार्ट और फुर्तीले रह सकें पर महिलाओं को साड़ी पहनने को प्रेरित किया जाता है जो कोई सिला-सिलाया वस्त्र नहीं, एक लम्बा खुला कपड़े के थान जैसा है जो आसानी से लिपट-खुल या गिर भी सकती है।

इस साड़ी से तन ढंक पाएगा या नहीं, यह आशंका बनी रहती है क्योंकि आजकल बाजारीकरण ने पैसे के लालच में साड़ी जैसे वस्त्र को भी बाजारू बना दिया है। फिल्मों, टीवी धारावाहिकों, विज्ञापनों, दुकानों में पुतलों और संगीत-नृत्य कार्यक्रमों ने महिलाओं को सिर्फ ग्लैमर के रूप में पेश किया है।

आपने यह भी ध्यान दिया होगा कि विश्व स्तर के पुरुष नेता जब मिलते हैं तो हाथ मिलाते हैं। यदि अधिक घनिष्ठ हों तभी गले मिलते हैं। पर विश्व स्तर की महिला नेता को पुरुष नेताओं के गाल पर जुम्बिश क्यों देनी पड़ती है? पहले तो यह पाश्चात्य देशों तक सीमित था पर अब कुछ भारतीय नेता भी विदेशी महिलाओं से यह 'सम्मान' लेने लगे हैं जो आने वाले कल के लिए खतरे की घंटी है।ऐसा लगता है कि समाज दृष्टि-विकृति नामक रोग से पीड़ित है जिसमें हर चीज विकृत दिखती है। समाज की यह विकृति आधुनिक युग की उपभोक्तावादी संस्कृति का भी परिणाम है। हमें पूरे विश्व की दृष्टि को ठीक करने के लिए एक अच्छे सामाजिक नेत्ररोग विशेषज्ञ (सोशल आई स्पेशलिस्ट) की आवश्यकता है। पहले इसका पृष्ठभूमि विश्लेषण करें-

साहित्य में महिला को जीवन की विभिन्न भूमिकाओं में एक माँ के रूप में सबसे अधिक सम्मानित किया गया जो संतान का पोषण करती है और उसे पृथ्वी की तरह धारण करती है। इस प्रकार, दुनिया के साहित्य और धर्म ग्रन्थ जीवन में नारी को जीवन का पोषक और निर्माता के रूप में स्वीकार करते हैं। फ्रांस के सम्राट नेपोलियन ने कहा था-मेरी मां की आंखों से आंसू की दो बूंदें भी पूरे यूरोप को झकझोर देने के लिए काफी हैं।

सुखद बात है कि प्रगतिशील लेखकों जैसे वर्ड्सवर्थ, जॉर्ज बर्नार्ड शॉ, जेन ऑस्टेन, सुब्रमण्यम भारती, मैथिलीशरण गुप्त, सुमित्रानंदन पन्त, महादेवी वर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान ने नारी के प्रेम, सौंदर्य और भक्ति को सकारात्मक रूप में देखा और जयशंकर प्रसाद ने इड़ा (बुद्धि) को राज्य के शासक के रूप में भी दिखाया। खलील जिब्रान ने नारी के आंतरिक गुणों की प्रशंसा की-

वह अन्य लड़कियों की तरह बाहर से सुंदर नहीं है। जब वह मुस्कुराई तब मैं उसकी सुंदरता जान पाया (शी इज नॉट फेयर टू आउटवर्ड व्यू ऐज़ एनी मेडेन्स बी; हर लवलीनेस आई नेवर न्यू, अन्टिल शी स्माइल्ड ऐट मी!)

प्रो. मिरियम कुक ने इस्लाम में महिला संत खदीजा, उनकी बेटी फातिमा, संत राबिया और हज़रत आयशा का उल्लेख किया है। लेकिन समाज पर शासन करने का कोई अधिकार प्राप्त नहीं था। कई बच्चों को पैदा करना ही महिला का कर्तव्य और जीवन का उद्देश्य था। अफगानिस्तान जैसी जगह पर आज भी पुराने तालिबानी हालात फिर आ गए जिसमें नारी के लिए शिक्षा प्राप्त करना और देश की अर्थ-व्यवस्था में योगदान देना भी कठिन हो गया है। कई इस्लामी देशों में सामाजिक परिवर्तन दिखा है- जैसे इंडोनेशिया की राष्ट्रपति मेगावती सुकर्णोपुत्री, तुर्किये की राष्ट्रपति तान्सु सिलर, सेनेगल की प्रधानमंत्री मामे मैदिअर बोये, किर्गिज़िस्तान की राष्ट्रपति रोज़ा ओतानबोयेवा, ट्यूनिसिया की राष्ट्रपति नाजिया बौडेन रोमडाने, पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बेनज़ीर भुट्टो, बांग्लादेश की दो प्रधानमंत्री खालिदा जिया और शेख हसीना।

भारत विश्व का अकेला देश है जिसने 'दुर्गा सप्तशती' नामक ग्रन्थ में सर्वव्यापी, सर्वशक्तिमान और सर्वज्ञ आदिशक्ति देवी दुर्गा को शाश्वत ऊर्जा, ब्रह्मांड के निर्माता, पोषक और संहारक के रूप में देखा और धन-सम्पदा की देवी लक्ष्मी, ज्ञान-विज्ञान की देवी सरस्वती का आह्वान किया है। भारतीय वेदों की रचना में संत गार्गी, संत मैत्रेयी और संत लोपामुद्रा जैसी महान विदुषियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा था।

संत गार्गी ने 'गार्गी संहिता' लिखी थी और संत याज्ञवल्क्य के साथ विद्वतापूर्ण शास्त्रार्थ किया था जो 'वृहदारण्यक उपनिषद' में वर्णित है। ऋग्वेद में संत मैत्रेयी ने 10 ऋचाएँ और संत लोपामुद्रा ने 320 ऋचाएँ लिखी थीं। मंडन मिश्र की पत्नी ने आदिगुरू शंकराचार्य को शास्त्रार्थ (शास्त्र पर वाद-विवाद) में हराया था। 'मानव कंप्यूटर' शकुंतला देवी, रसायनज्ञ असीमा चटर्जी, अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स और आदित्य-एल1 मिशन की परियोजना निदेशक निगार शाजी से सभी परिचित हैं। युद्ध के मैदान में भी जाँबाज महिलाओं ने कौशल दिखाया है।

लेकिन इन तथ्यों और महिला की बौद्धिकता और मानसिक क्षमताओं को छुपाकर विकृत सामाजिक धारणा फैलाने वाले नकारात्मक तत्वों की अब भी भरमार है। अब उत्तर प्रदेश में इंजीनियरिंग की छात्राओं पर पुरुष के प्रति पूर्ण निष्ठा और सामाजिक अपराध के लिए नारी को दोषी बताने का पाठ पढ़ाकर जबरदस्त मानसिक दबाव बनाने की खबर आ रही है। भारत जैसे विशाल, उर्वर मस्तिष्क और ऐतिहासिक देश की धरती ने 1947 से पहले चार विख्यात शासक रानियाँ- रज़िया सुल्तान, रानी लक्ष्मीबाई, रानी अहल्याबाई और रानी दुर्गावती दी थी। पर स्वतंत्रता के 79 वर्ष बाद, शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार और बेटी को पढ़ाने-बचाने की सनसनीखेज मुहिम के बाद भी केवल एक महिला प्रधानमंत्री और दो महिला राष्ट्रपति (देश का संवैधानिक प्रमुख)- दे पाई है। छोटे-छोटे पड़ोसी देश श्रीलंका और बांग्लादेश और पाकिस्तान ने भी एक या दो महिला प्रधानमंत्री बनाए है। हिन्दू बहुल देश नेपाल, सूरीनाम, मॉरीशस और बौद्ध देश भूटान से इस विषय में आज तक कोई सूचना प्राप्त नहीं।

डेढ़ साल के भीतर भाजपा की साय सरकार ने चौथी बार बढ़ाए बिजली के दाम को लेकर जिला कांग्रेस का हल्ला बोला

राज्य की भाजपा सरकार द्वारा बिजली दर प्रति यूनिट बढ़ोतरी को वापस लेने को लेकर बिजली विभाग घेराव कर ज्ञापन सौंपा

केन्द्रीय जांच एजेन्सी प्रवर्तन निदेशालय(ई.डी.) द्वारा केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार के द्वेषपूर्ण कार्यवाही के विरोध कांग्रेस ने किया चक्का जाम

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के आह्वान पर दंतेवाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी नेतृत्व में डेढ़ साल के भीतर भाजपा की साय सरकार ने चौथी बार बिजली के दाम बढ़ाए जाने लगातार अघोषित बिजली कटौती समस्या को लेकर कांग्रेस पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं द्वारा राजीव भवन दंतेवाड़ा से लेकर जिला विद्युत मुख्यालय तक पैदल मार्च कर बिजली विभाग को घेराव कर ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही केन्द्रीय जांच एजेन्सी प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) द्वारा केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार के दबाद में कांग्रेस पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं पर की जा रही द्वेषपूर्ण कार्यवाही के विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर राष्ट्रीय राजमार्ग में बेनर तले नाकेबंदी चक्का जाम कर केंद्र-राज्य की भाजपा सरकार व ई.डी के खिलाफ नारे बाजी करते हुए भरी तादाद में पुलिस बल के समक्ष और जोरदार प्रदर्शन किया गया।जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अवधेश गौतम ने बताया कि राज्य भाजपा सरकार द्वारा चौथी बार फिर आमजनता के जेब में डाका डालने का प्रयास करते हुए बिजली की दरों में बेतहाशा वृद्धि कर दिया है, जिसके तहत घरेलु उपभोक्ताओं के लिये 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट, गैर घरेलु उपभोक्ताओं के लिये 25 पै. प्रति यूनिट बढ़ोत्तरी के साथ-साथ किसानों के कृषि विद्युत दर में भी 50 पै. प्रति यूनिट की बढ़ोत्तरी की गयी है. जिससे आमजनता एवं किसानों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ेगा। जिसका मूल्य वृद्धि वापस लिए जाने हेतु नारे बाजी करते(छ.ग्र) विद्युत विभाग के माध्यम से महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। पूर्व विधायक जगदलपुल रेखचंद जैन ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार अडानी के जल, जंगल, जमीन की लूट की सहभागी बनी हुई सरकार के संरक्षण में अडानी प्रदेश के जंगलों को कटवा रहा है, उसका विरोध करने पर केंद्र सरकार ईडी की कार्यवाही करवाती है।ईडी, भाजपा के एजेंट की भांति काम कर रही है। भाजपा राज्य में विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है।ईडी के अधिकारी भी अपने शासकीय कर्मचारी होने की मर्यादा को भूलकर भाजपा कार्यकर्ता की भांति काम कर रही है इसका कांग्रेस पार्ट विरोध करतीं है। पीसीसी सदस्य छविंद्र कर्मा ने कहा छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार के संरक्षण में अड़ानी द्वारा छत्तीसगढ़ के खनिजों को लूटने का और छत्तीसगढ़ के जंगलों को उजाड़ने का काम किया जा रहा है जब-जब कांग्रेस पार्टी उनके आका अड़ानी के खिलाफ बोलती है तब भाजपा की केंद्र व राज्य सरकार केन्द्रीय जांच एजेन्सी प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) द्वारा केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार के दवाब में कांग्रेस पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वेषपूर्ण कार्यवाही कर उन्हें जेल भेजने का काम करती हैं आज प्रदेश का हर वर्ग दुखी है। कर्मचारी दुखी है, किसान दुखी है, मजदूर दुखी है, व्यापारी दुखी है। बड़ी हैरानी की बात है।बीजेपी जो कहती है उसे कभी पूरा नहीं करती। जो वादे जनता के वोट लेने के लिए किए थे आज उनके उलट जनता पर तरह तरह के बोझ लाद रही है।

जनदर्शन में सुनी गई आमजन की पीड़ा, 26 आवेदन प्राप्त हुये, कलेक्टर ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीते मंगलवार को कलेक्टोरेट स्थित दृष्टि सभाकक्ष में कलेक्टर रणबीर शर्मा की उपस्थिति मे जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न विकासखण्डों एवं गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण व शहरी नागरिक अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें लेकर उपस्थित हुए। जनदर्शन के दौरान कुल 26 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से तात्कालिक महत्व के मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, वहीं गंभीर प्रकृति एवं जांच योग्य आवेदनों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुनी और संबंधित अधिकारियों को दूरभाष अथवा प्रत्यक्ष बुलाकर त्वरित निर्देश दिए। मुख्य प्रकरणों मे ग्राम भटगांव, तहसील देवकर के निवासी केजू सिंह ने आवास योजना अंतर्गत सहायता की मांग की। बेमेतरा नगर के सभी 21 वार्डों की मितानिनों ने सामूहिक रूप से मितानिन ट्रेनर को बदलने का आवेदन प्रस्तुत किया। ग्राम उमरावनगर, तहसील थानखम्हरिया के दीनदयाल ने स्थगन आदेश के बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने की शिकायत की। ग्राम अमोरा, तहसील बेमेतरा की शारदा देवी सोनी ने विवादित आबादी भूमि पर बलपूर्वक निर्माण किए जाने की जानकारी शामिल है 7 इनके अतिरिक्त आमजन ने निराश्रित पेंशन, वृद्धावस्था एवं दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ, भूमि रकबा जोड़ने, आम रास्ता खुलवाने, खाद गड्ढा हटाने, तथा बैटरी चालित ट्रायसायकल प्राप्त करने जैसी दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं को जनदर्शन में प्रस्तुत किया।कलेक्टर रणबीर शर्मा ने स्पष्ट किया कि प्रशासन जनहित को सर्वोपरि मानते हुए समस्याओं के निराकरण हेतु संकल्पबद्ध है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर मानवता एवं संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्यवाही की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों को शासन की योजनाओं से जोड़ने और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करने का अवसर प्राप्त होता है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अनिल वाजपेयी, सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सिंघौरी स्कूल में हर्सोल्लास के साथ मनाया गया तिरंगा दिवस

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय प्राथमिक एंव पूर्व माध्यमिक स्कूल सिंघौरी में तिरंगा दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया।संस्था प्रमुख मीनाक्षी शर्मा ने बच्चो को बताया कि 22 जुलाई, 1947 वो तारीख है, जब संविधान सभा द्वारा तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया. यह दिन तिरंगे के सम्मान और इसके महत्व को गहराई से समझने का अवसर है।'तिरंगा' शब्द सुनते ही न केवल देशभक्ति, एकता और बलिदान की भावना जागृत होती है, बल्कि इस नाम की अपने आप में एक गौरवमयी गाथा भी है।नुतेश्वर चंद्राकर ने कहा कि स्वतंत्रता से पहले, डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में गठित समिति ने तिरंगे को अंतिम रूप दिया। चरखे को हटाकर सम्राट अशोक के धर्म चक्र (24 तीलियों वाला नीला चक्र) को शामिल किया गया, जो धर्म, न्याय और प्रगति का प्रतीक है। 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने इसे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने हाथ में तिरंगा लेकर देशभक्ति गीत एंव नारे के साथ रैली भी निकाली और ग्रामवासियों को तिरंगा के सम्मान और देशभक्ति के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर प्रधान पाठक मीनाक्षी शर्मा सहितधनीराम बंजारे संकुल समन्वयक,सरस्वती साहू,देवेंद्र साहू,नुतेश्वर चंद्राकर, प्रशांत बघेल, पूनम साहू किरण खरे मौजूद रहे।

केन्द्रीय विद्यालय बेमेतरा में कक्षा 1 से 5 तक नवीन प्रवेश हेतु पंजीयन प्रारंभ - सत्र 2025-26

क्यूआर कोड के माध्यम से भी डाउनलोड करें प्रवेश फॉर्म और आवश्यक दस्तावेज़

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन मे केन्द्रीय विद्यालय बेमेतरा द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 1 से 5 तक के नवीन प्रवेश हेतु पंजीयन प्रक्रिया 25 जुलाई 2025 (शुक्रवार) से प्रारंभ की जा रही है। इच्छुक अभिभावक 06 अगस्त 2025 (बुधवार) दोपहर 02.00 बजे तक पंजीकरण करा सकते हैं। विद्यालय प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कक्षा 1 से 5 तक प्रवेश के इच्छुक छात्रों के लिए पंजीकरण प्रपत्र (रजिस्ट्रेशन फॉर्म) विद्यालय से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, क्यूआर कोड स्कैन कर अभिभावक ऑनलाइन माध्यम से भी पंजीकरण फॉर्म एवं आवश्यक दस्तावेजों की सूची डाउनलोड कर सकते हैं। पंजीकरण के दौरान अभ्यर्थियों को सभी आवश्यक दस्तावेजों की सत्यापित प्रतियों के साथ विधिवत रूप से भरे हुए पंजीकरण फॉर्म को विद्यालय में नियत समय सीमा के भीतर जमा करना अनिवार्य होगा। पंजीकरण फॉर्म प्राप्त करने एवं जमा करने का समय प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 9.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक निर्धारित किया गया है। विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि 06 अगस्त 2025 के उपरांत किसी भी परिस्थिति में पंजीकरण फॉर्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे, इसलिए समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रवेश प्रक्रिया की अनंतिम चयन सूची 11 अगस्त 2025 (सोमवार) को विद्यालय द्वारा जारी की जाएगी, जिसे विद्यालय नोटिस बोर्ड अथवा अन्य उपयुक्त माध्यम से सार्वजनिक किया जाएगा। अभिभावकों से अपील की जाती है कि वे समय पर पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण करें एवं अपने बच्चों के भविष्य निर्माण में विद्यालय का सहयोग करें। अधिक जानकारी हेतु केन्द्रीय विद्यालय बेमेतरा मे कार्यदिवस में कार्यालयीन समय पर संपर्क कर सकते हैं ।

वाईआरएफ25 जुलाई को 'वॉर 2' का ट्रेलर लॉन्च कर मनाएगा ऋतिक रोशन और एनटीआर के 25 साल का सिनेमाई सफर!

जित मुम्बई /मूक पत्रिका

'वॉर 2' में 25 नंबर को दी गई है खास अहमियत! यशराज फिल्म्स की ब्लॉकबस्टर स्पाय यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' में एक ऐतिहासिक कास्टिंग कराई गई है – ऋतिक रोशन और एनटीआर को एक साथ लाकर निर्माता आदित्य चोपड़ा ने दर्शकों के लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट पेश किया है। फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं अयान मुखर्जी। इस साल ऋतिक रोशन और एनटीआर, दोनों ही अपने फिल्मी करियर के 25 साल पूरे कर रहे हैं और वाईआरएफ इस खास मोमेंट को 25 जुलाई को 'वॉर 2' का ट्रेलर रिलीज कर सेलिब्रेट करने जा रहा है। आज वाईआरएफ ने ट्रेलर लॉन्च की घोषणा करते हुए एक स्पेशल पोस्ट शेयर किया जिसमें लिखा है: ÷2025 में, भारतीय सिनेमा के दो आइकॉन्स अपने शानदार करियर के 25 साल पूरे करते हैं। इस एक बार मिलने वाले अवसर को सेलिब्रेट करने के लिए वाईआरएफने 25 जुलाई को 'वॉर 2' का ट्रेलर लॉन्च करने का फैसला लिया है! तैयार हो जाइए टाइटन्स के सबसे बड़े महाकाव्य टकराव के लिए!! अपने कैलेंडर मार्क कर लीजिए। 'वॉर 2' 14 अगस्त 2025 को हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में कियारा आडवाणी मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में होंगी।

पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना अंतर्गत कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु आयोजित परीक्षा का परिणाम घोषित

25 जुलाई 2025 तक दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पंडित जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। यह परीक्षा 30 मार्च 2025 को शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा में संपन्न हुई थी। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उक्त परीक्षा का परिणाम कार्यालयीन समय में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। परीक्षा में सम्मिलित समस्त अभ्यर्थी एवं उनके पालक परिणाम की जानकारी कार्यालय में प्राप्त कर सकते हैं। यदि किसी परीक्षार्थी को परिणाम के संबंध में कोई दावा या आपत्ति हो, तो वे संबंधित साक्ष्य व दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति 25 जुलाई 2025 तक कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। जिला शिक्षा विभाग ने सभी संबंधितों से समय सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है।

जिले में अब तक 245.1 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा। चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून से 22 जुलाई 2025 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 245.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील थानखम्हरिया में 316.3 मि.मी. तथा न्यूनतम 136 मि.मी. वर्षा नवागढ़ तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 196.3 मि.मी. वर्षा, नांदघाट तहसील में 286.5 मि.मी. वर्षा, बेरला तहसील में 269.4 मि.मी., देवकर तहसील में 243 मि.मी, वर्षा दाढ़ी तहसील मे 302.3 मि.मी., वर्षा भिंभौरी तहसील में 203.5 मि.मी. एवं साजा तहसील में 252.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा अभियान तेज़ नकली खोवा, पनीर सहित 11 नमूनों की जाँच, 1.50 लाख का जुर्माना

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य शासन एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार, कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशन में रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए जिले में विशेष खाद्य सुरक्षा जांच अभियान चलाया जा रहा है। त्योहार के समय आम जनता को गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध हो, इस उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन बेमेतरा द्वारा सघन निरीक्षण किया गया। अभियान के तहत खोवा, कुंदा, मिल्ककेक, पनीर जैसे दुग्धजन्य उत्पादों की शुद्धता और गुणवत्ता की जांच हेतु बस स्टैंड क्षेत्र की मिठाई दुकानों, होटलों तथा बसों में निरीक्षण किया गया। नकली खाद्य पदार्थों की आशंका के चलते नवागढ़ स्थित वृंदावन वन डेयरी से पनीर और दही, लक्ष्मी जोधपुर स्वीट्स से खोवा और कलाकंद तथा बजरंग डेयरी बेमेतरा से खोवा एवं बर्फी के नमूने लिए गए। कुल 06 दुग्ध उत्पादों सहित खाद्य तेल, चॉकलेट, पान मसाला, घी एवं आटा के 05 अन्य नमूने भी संग्रहित कर खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात दोषियों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि वर्षा ऋतु में खाद्य परिसर में विशेष साफ-सफाई रखें, हैंड ग्लव्स एवं हेड कैप का उपयोग करें, शुद्ध पेयजल सुनिश्चित करें एवं खाद्य वस्तुओं को ढंककर रखें, ताकि उनकी गुणवत्ता खराब न हो। *इस अभियान के तहत पूर्व में पाए गए अवमानक खाद्य सामग्री के मामलों में दीपक होटल, बेमेतरा को अवमानक बालूशाही विक्रय करने पर ?50,000 तथा मेसर्स शांति ट्रेडिंग कम्पनी, बेमेतरा को मिथ्याछाप कुकिंग सोडा बेचने के लिए ?1,00,000 का अर्थदण्ड लगाया गया है। कुल मिलाकर दोनों प्रतिष्ठानों पर ?1.50 लाख का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। यह कार्यवाही एडीएम न्यायालय द्वारा की गई। यह संपूर्ण निरीक्षण अभियान राजू कुर्रे, खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं कमल प्रसाद के नेतृत्व में संचालित किया गया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि त्योहार के अवसर पर मिठाई व अन्य खाद्य सामग्री क्रय करते समय उसकी निर्माण तिथि व समाप्ति तिथि अवश्य जांचें और प्रमाणिक दुकानों से ही सामान लें, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम से बचा जा सके।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत 15 से 31 जुलाई तक विशेष पंजीयन अभियान – गर्भवती महिलाओं को मिलेगा आर्थिक संबल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत पात्र गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के लिए 15 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक विशेष पंजीयन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करना है, जिससे माताओं और उनके नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार लाया जा सके। इस योजना के अंतर्गत गर्भावस्था के दौरान कार्य में असमर्थता के कारण होने वाली आर्थिक क्षति की आंशिक भरपाई हेतु प्रथम एवं द्वितीय संतान तक सीमित रूप से नकद सहायता प्रदान की जाती है। योजना के तहत प्रथम संतान के लिए हितग्राही को ?5000 की सहायता दो किस्तों में प्रदान की जाती है (प्रथम किस्त ?3000, द्वितीय किस्त ?2000)। द्वितीय संतान यदि बालिका हो, तो एकमुश्त ?6000 की सहायता दी जाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बेमेतरा जिले में कुल 7684 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया, जिन्हें ?4.53 करोड़ (चार करोड़ तिरपन लाख अठहत्तर हजार रुपये) की राशि वितरित की गई।

योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं- आंगनबाड़ी केन्द्र में पंजीकरण अनिवार्य है।निर्धारित आवेदन फॉर्म को सही ढंग से भरकर आवश्यक दस्तावेजों (जैसे ङ्क आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण, जच्चा-बच्चा कार्ड) के साथ आंगनबाड़ी केन्द्र में जमा करना होगा। आवेदन पत्र के साथ पति या परिवार के सदस्य का मोबाइल नंबर, और हस्ताक्षरित सहमति पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी हेतु हितग्राही अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केन्द्र, सेक्टर पर्यवेक्षक, बाल विकास परियोजना कार्यालय, अथवा जिला महिला एवं बाल विकास कार्यालय (कोबिया चौक, रजिस्ट्री कार्यालय के पास, बेमेतरा) से संपर्क कर सकते हैं। यह विशेष अभियान मातृत्व के प्रति शासन की संवेदनशीलता को दर्शाता है और माताओं को आर्थिक संबल देकर उनके स्वास्थ्य एवं पोषण को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

पीसीसी दीपक बैज बस्तर, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत बिलासपुर-जांजगीर, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रायपुर, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव अंबिकापुर में शामिल हुए

अडानी और भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस की प्रदेशव्यापी आर्थिक नाकेबंदी 2 घंटे सभी प्रमुख मार्ग रहे बंद

देश में पहली बार अडानी की आर्थिक लूट के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन

रायपुर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के जल, जंगल, जमीन, खनिज संपदा की अडानी के लूट के खिलाफ कांग्रेस ने प्रदेशव्यापी आर्थिक नाकेबंदी किया। कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार के संरक्षण में अडानी राज्य की संपदा को लूट रहा, हसदेव से लेकर तमनार तक पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है। अडानी की कोयला खदानों के लिए राज्य के जंगल उजाड़े जा रहे। बस्तर की प्रमुख खनिज संपदा आयरनओर को भी अडानी को देने की तैयारी की जा रही। अडानी के खिलाफ आवाज उठाने वाले कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्यवाही की जा रही है। अडानी के द्वारा तमनार पेड़ कटाई का विरोध करने के कारण भूपेश बघेल के बेटे की गिरफ्तारी ईडी ने कर लिया। देश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब एक औद्योगिक घराने की लूट के खिलाफ किसी प्रदेश की जनता सड़कों पर उतर कर आर्थिक नाकेबंदी की हो, समूचा विपक्ष औद्योगिक घराने की लूट के खिलाफ लामबंद है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की सरकार प्रदेश की जंगलों की कटाई की अनुमति देकर वन संपदा, खनिज संपदा की लूट की छूट अडानी को दी है। भाजपा सरकार के संरक्षण में हो रही जंगलों की कटाई और खनिज संपदा की लूट को रोकने के लिए पूरा प्रदेश एकजुट है। प्रदेश की खनिज संपदा को अडानी जैसे पूंजीपति ट्रकों में भरकर प्रदेश से बाहर ले जा रहे हैं इससे छत्तीसगढ़ को जो आर्थिक नुकसान हो रहा है। साथ ही यहां के पर्यावरण भी नष्ट हो रही है, आदिवासी वर्ग एवं आम जनता हसदेव एवं तमनार के हरे भरे जंगलों की कटाई के विरोध में लगातार संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता भी जंगलों को बचाने की मुहिम में लगे हुए हैं, लेकिन भाजपा की सरकार पुलिस तंत्रों का दुरुपयोग करके जंगल कटाई का विरोध कर रहे लोगों के खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज कर रही है, उन पर लाठियां चल रही है, उनका लहू बहा रही है। अडानी का विरोध करने विधानसभा में मामला न उठाये इसलिए भूपेश बघेल के बेटे की गिरफ्तारी किया गया। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि आर्थिक नाकाबंदी कर भाजपा सरकार के संरक्षण में अडानी के द्वारा जो यहां की खनिज संपदा को लूटा जा रहा है उसका विरोध है। आम जनता ने जंगल कटाई के विरोध में आयोजित इस आर्थिक नाकेबंदी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। तानाशाही भाजपा सरकार को मुंह तोड़ जवाब दिया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा की सरकार अडानी की गोद में बैठ गई है। अडानी को लाभ पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ के नागरिकों को जख्मी कर रही है। विरोध करने वालों के खिलाफ ईडी, सीबीआई, आईटी, एसीबी, ईओडब्ल्यू और स्थानीय पुलिस एफआईआर दर्ज कर रही है। लोकतंत्र में मिले आंदोलन के अधिकार को खत्म कर रही है। तानाशाही स्थापित कर रही है लेकिन कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता डरेंगे नहीं प्रदेश की समृद्धि, संस्कृति और संसाधनों को बचाने के लिए डटकर मुकाबला करेंगे, आर्थिक नाकेबंदी प्रदेश की खनिज संपदा को बचाने की मुहिम है, हमारा संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार अडानी के जल, जंगल, जमीन की लूट की सहभागी बनी हुई सरकार के संरक्षण में अडानी प्रदेश के जंगलों को कटवा रहा है, उसका विरोध करने पर केंद्र सरकार ईडी की कार्यवाही करवाती है। कांग्रेस पार्टी पूरी एकजुटता से इस कार्यवाही का विरोध करती है। आंदोलन की अगुवाई बस्तर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, बिलासपुर-जांजगीर में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, रायपुर में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, पंजाब पीसीसी अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा बरार, अंबिकापुर में पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, पुलगांव दुर्ग में पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, धमतरी में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेन्द्र साहू, गिरीश देवांगन, कोण्डागांव में पूर्व मंत्री मोहन मरकाम, आरंग में पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, बस्तर में लखेश्वर बघेल, सभी वरिष्ठ नेता अपने-अपने गृह क्षेत्रों में चक्का जाम में शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

छोटे शहरों में बड़ी उपलब्धि: स्कोडा का नेटवर्क और भरोसा दोनों फैला, 172 शहरों में 300 कस्टमर टचपॉइंट के साथ अपनी उपस्थिति मज़बूत की

नईदिल्ली। भारत में 25 साल और दुनिया भर में 130 साल की शानदार विरासत के साथ स्कोडा ऑटो नए मुकाम गढ़ रही है। कंपनी ने इस महीने 2025 की पहली छमाही में अपनीअब तक की सबसे ज़बरदस्त बिक्रीदर्ज की है — और अब एक और बड़ी उपलब्धि के रूप में ब्रांड ने देश के 172 शहरों में 300 से अधिक ग्राहक टचपॉइंट्सका आंकड़ा पार कर लिया है।ग्राहक अनुभव को बेहतर से बेहतरीन बनाना स्कोडा ऑटो की भारत में तेज़ रफ्तार विकास रणनीति का मूल मंत्र है। देशभर में तेज़ी से बढ़ता यह नेटवर्क, न केवल स्कोडा की बढ़ती पहुँच का प्रमाण है, बल्कि भारतीय ग्राहकों के बीच उसके मज़बूत होते भरोसे की कहानी भी कहता है। इस अवसर पर स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टरआशीष गुप्ताने कहा, हमारे नेटवर्क के विस्तार से हमारी कारें और सेवाएं अब ज़्यादा लोगों तक पहुंच रही हैं। इससे ग्राहकों को देशभर में तेज़, भरोसेमंद और गुणवत्ता से भरपूर सेवा मिल रही है। हम 'ग्राहकों के और करीब आने' और 'साथ मिलकर आगे बढ़ने' की सोच के साथ काम कर रहे हैं। इसी के तहत हमने अपने पुराने, भरोसेमंद डीलर साझेदारों के साथ सहयोग को और मज़बूत किया है और कुछ नए, ग्राहक-केंद्रित साझेदारों को भी जोड़ा है।यह विस्तार भारत में स्कोडा ऑटो की उपस्थिति को और सशक्त बनाएगा और सुरक्षा, मूल्य तथा बेहतरीन अनुभव के हमारे वादे को और मज़बूती देगा।

काइलैक की सफलता से आगे बढ़ते हुए- काइलैक स्कोडा ऑटो के लिए एक ऐसा मॉडल बनकर उभरा है, जिसने कंपनी को नए बाज़ारों और ग्राहकों से जोड़ने में बड़ी मदद की है। ब्रांड का लगातार बढ़ता नेटवर्क अब इन नए क्षेत्रों में स्कोडा की पहुंच और मज़बूत कर रहा है। कुशाक और कोडिएक के साथ मिलकर अब स्कोडा के पास हर वर्ग के ग्राहकों के लिए एसयूवीकी पूरी रेंज मौजूद है — यानी हर किसी के लिए एक एसयूवी । वहीं, स्लाविया स्कोडा की सेडान परंपरा को आगे बढ़ा रही है और जल्द ही एक नया इंटरनेशनल मॉडल भारतीय बाज़ार में दस्तक देगा।

सैमसंग इंडिया ने गैलेक्सीत वॉच8 सीरीज की प्री-बुकिंग शुरू की

गुरुग्राम । भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज गैलेक्सी वॉच8 और गैलेक्सी वॉच8 क्लासिक को लॉन्च किया है। यह सीरीज पूरे गैलेक्सी वॉच लाइनअप में एक प्रतिष्ठित डिज़ाइन पहचान स्थापित करती है। गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा के कुशन डिज़ाइन की बुनियाद पर आधारित, यह सीरीज़ अब तक की सबसे पतली गैलेक्सी वॉच है। लॉन्च् के तहत, सैमसंग आकर्षक प्रारंभिक कीमतों और विशेष प्री-ऑर्डर लाभ प्रदान कर रहा है। गैलेक्सी वॉच8 40mm BT की कीमत 32,999 रुपये है और 40mm LTE वर्जन 36,999 रुपये में उपलब्ध है। 44mm BT और LTE वैरिएंट की कीमत क्रमश: 35,999 रुपये और 39,999 रुपये है। गैलेक्सी वॉच8 क्लासिक 47mm BT मॉडल की कीमत 46,999 रुपये है, जबकि LTE वर्जन 50,999 रुपये में उपलब्ध है। गैलेक्सी वॉच8 सीरीज़ को 9 जुलाई से 24 जुलाई, 2025 तक प्री-बुक करने वाले उपभोक्ता 12,000 रुपये तक का मल्टी-बैंक कैशबैक या अपग्रेड बोनस, या नए गैलेक्सी स् और Z सीरीज़ ग्राहकों के लिए विशेष रूप से तैयार 15,000 रुपये तक के मल्टी-बाय ऑफ़र का लाभ उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, प्रमुख बैंकों और एनबीएफ़सी के साथ 18 महीने तक की नो-कॉस्ट ईएमआई उपलब्ध है।

17 साल, एक कलर्स, अनगिनत कहानियाँ

2008 में जब कलर्स की शुरुआत हुई, तो भारतीय टेलीविजन के कैनवास पर कहानी कहने का एक नया युग शुरू हुआ। इसने परंपराओं को तोड़ा और हिंदी जीईसी (जनरल एंटरटेनमेंट चैनल) की परिभाषा ही बदल दी। बीते 17 वर्षों में कलर्स ने टीवी स्क्रीन ही नहीं, दिलों को भी उन कहानियों से रंगा जो सच में मायने रखती हैं — बाल विवाह जैसे मुद्दे उठाने वाले बालिका वधू से लेकर लैंगिक भेदभाव को चुनौती देने वाली शक्ति तक, और बिग बॉस, खतरों के खिलाड़ी, तथा हालिया हिट लाफ्टर शेफ्स: अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट जैसे रियलिटी शोज तक। हमने हमेशा ऐसे अनसुने नायकों का सम्मान किया है जो शांत लेकिन अडिग साहस के प्रतीक हैं।

चाहे वो आनंदी हों या बोंदिता, मन्नत हो या मंगल — इन नायिकाओं ने सिर्फ अपने लिए नहीं, समाज के लिए भी बदलाव की मशाल जलाई है। कलर्स का यह जज्बा आज भी कायम है। चैनल की 17वीं वर्षगांठ पर, जियोस्टार के प्रवक्ता श्री आलोक जैन ने कहा, जब कलर्स 17 साल का हुआ है, हम एक ऐसी विरासत का जश्न मना रहे हैं जिसने हिंदी मनोरंजन की दुनिया को फिर से परिभाषित किया है और देश भर में बहस को जन्म दिया है। टेलीविजन आज भी दर्शकों का विश्वसनीय साथी है, और कलर्स ने हमेशा भारतीय जीवन के विविध रंगों और ऐसे पात्रों की कहानियाँ दिखाई हैं जो परिवार जैसे लगते हैं।

पूना मारगेम: पुनर्वास से पुनर्जीवन — बदलाव की एक सशक्त पहल

मूक पत्रिका/ बस्तर - बस्तर रेंज के माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में शांति, विकास और सामाजिक पुनर्स्थापना की दिशा में एक नई शुरुआत पूना मारगेम: पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान के माध्यम से की जा रही है। यह केवल एक पुनर्वास कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक समावेशी सामाजिक आंदोलन है, जिसका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों की भागीदारी से दंतेवाड़ा को स्थायी शांति, सामाजिक सौहार्द और समृद्धि की ओर अग्रसर करना है।

पुनर्वास के माध्यम से पुनर्निर्माण

मुख्यधारा में लौटे सभी आत्मसमर्पित माओवादियों को सरकार की पुनर्वास योजनाओं के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। इन योजनाओं में शामिल हैं:

कौशल विकास प्रशिक्षण

स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्धन

मनोवैज्ञानिक परामर्श और सामाजिक पुन:स्थापना

यह पहल आत्मसमर्पित माओवादियों को आत्मनिर्भर, सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अभियान बस्तर रेंज के सभी सात जिलों —

सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर, कोंडागांव, बस्तर और कांकेर — में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है।

क्रूर और जनविरोधी माओवादी विचारधारा का खात्मा, शांति की स्थापना

पूना मारगेम: पुनर्वास से पुनर्जीवन का उद्देश्य केवल माओवादियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करना नहीं है, बल्कि उनकी क्रूर और जनविरोधी विचारधारा को समाप्त कर संपूर्ण बस्तर को स्थायी शांति, समावेशी विकास और सामाजिक सौहार्द की ओर ले जाना है।

माओवादी कैडरों से आत्मसमर्पण कर पुनर्वास का लाभ उठाने की अपील- पूना मारगेम: पुनर्वास से पुनर्जीवन केवल एक पुनर्वास अभियान नहीं, बल्कि एक आशा का प्रतीक है — यह विश्वास दिलाने का प्रयास है कि

सकारात्मक परिवर्तन संभव है, और अब उसका समय आ चुका है। माओवादियों से यह अपील की गई है कि वे हिंसा का मार्ग त्यागें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ें। अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझें और शांति, सद्भाव एवं पुनर्वास का मार्ग अपनाएं। यह निर्णय न केवल आत्मसमर्पण करने वालों के भविष्य को सुरक्षित बनाएगा, बल्कि एक शांतिपूर्ण, समरस और प्रगतिशील बस्तर के निर्माण में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेगा।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर, पिछले 18 महीनों में दंतेवाड़ा जिला में 81 ईनामी माओवादी सहित कुल 353 से अधिक माओवादियों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामाजिक मुख्यधारा को अपनाया है। माओवादियों की वरिष्ठ नेतृत्व से लेकर आधार क्षेत्र के सक्रिय कैडर तक बड़ी संख्या में माओवादी संगठन से अलग हो चुके हैं।

पूना मारगेम: पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान के प्रमुख फोकस क्षेत्र इस प्रकार हैं:

माओवादी कैडरों से संपर्क स्थापित कर उन्हें यह प्रोत्साहन देना कि वे प्रतिबंधित एवं अवैध माओवादी संगठन से अलग होकर समाज की मुख्यधारा में लौटें।

उन्हें आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीतिङ्क2025 के लाभों से अवगत कराना।

माओवादी कैडरों को यह एहसास कराना कि माओवादी संगठन अब दिशाहीन और नेतृत्वविहीन हो चुका है — समय रहते एक नया जीवन शुरू करें।

आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों के लिए पुनर्वास केंद्रों में कौशल विकास प्रशिक्षण की व्यवस्था करना, जिससे वे समाज की मुख्यधारा में पुन: एकीकृत होकर सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकें।

उनके भीतर यह विश्वास जगाना कि वे परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं और दंतेवाड़ा की शांति, सुरक्षा एवं विकास में सक्रिय भागीदार की भूमिका निभा सकते हैं।

भूमि विवाद में वृद्ध किसान पर जानलेवा हमला, भाजपा नेता समेत 12 लोगों पर गंभीर आरोप

■ आरोपियों पर कठोर कार्यवाही करने पीड़ित ने एपी से लगाई सुरक्षा की गुहार

मूक पत्रिका/सूरजपुर/भैयाथान- ग्राम बड़सरा निवासी 73 वर्षीय वृद्ध किसान छांगुर प्रसाद साहू ने पुलिस अधीक्षक सूरजपुर को एक सनसनीखेज शिकायत सौंपते हुए आरोप लगाया है कि गांव के ही दबंग तत्वों ने, जिनमें भाजपा मंडल अध्यक्ष समेत 12 लोग शामिल हैं, उन पर जानलेवा हमला किया है और लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित ने एसपी से न सिर्फसुरक्षा की मांग की है बल्कि दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की भी गुहार लगाई है।

जमीन विवाद बना हमले की वजह, हथियारों से किया गया हमला- छांगुर प्रसाद साहू ने बताया कि उनके नाम पर ग्राम बड़सरा स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 1555/1, 1557/2, 1558, 1528/3 एवं 1529 राजस्व अभिलेखों में विधिवत दर्ज है। उन्होंने हाल ही में भूमि का सीमांकन भी कराया था। बावजूद इसके, गांव के ही कुछ दबंग अनावेदकगण इस जमीन को जबरन हड़पने की कोशिश कर रहे हैं। इस क्रम में 10 दिन पहले खेत जोतते समय विवाद हुआ, जिसके बाद 21 जुलाई 2025 को उन पर योजनाबद्ध तरीके से जानलेवा हमला किया गया।

पीड़ित के अनुसार, जब वह खेत में खाद डाल रहे थे, तभी सुनिल साहू (भाजपा मंडल अध्यक्ष) के इशारे पर सुशील साहू, रामप्रसाद साहू, दीपेश साहू, राजकुमार और अन्य लोग लाठी, डंडा और टांगी लेकर पहुंचे। दीपेश ने टांगी से हमला कर पीड़ित के बाएं हाथ की उंगली काट दी, वहीं अन्य लोगों ने लाठियों से पीट-पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित बेहोश होकर गिर पड़े, जिसके बाद परिजनों और नौकरों के चिल्लाने पर हमलावर भाग खड़े हुए।

डर से छिपकर पहुंचे अस्पताल, तीन जिलों में चला इलाज- छांगुर साहू ने बताया कि हमला इतना खौफनाक था कि उन्हें ड्राइवर के जरिए गुप्त रास्ते से घर लाया गया और फिर गंभीर अवस्था में भैयाथान थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें सूरजपुर जिला अस्पताल और फिर बैकुंठपुर अस्पताल रेफर किया गया, जहां एक्स-रे व इलाज हुआ।

भाजपा नेता और गांव के प्रभावशाली लोगों पर संगीन आरोप- आवेदन में भाजपा भैयाथान मंडल अध्यक्ष सुनिल साहू, उनके भाई सुशील साहू, परिवारजन पहलवान साहू, रामहित साहू, अरविंद, रामप्रसाद, बृजेश (नगर सैनिक), दीपेश, सेवक (ग्राम सचिव), चंदर, विजय और राजकुमार (बंधवा मजदूर) पर नामजद आरोप लगाए गए हैं। पीड़ित ने बताया कि सुनिल साहू भाजपा नेता होने के नाते गांव के लोगों को बरगलाकर उसे और उसके परिवार को लगातार धमकी दिलवा रहा है।

ग्राम सचिव पर भी गंभीर आरोप,

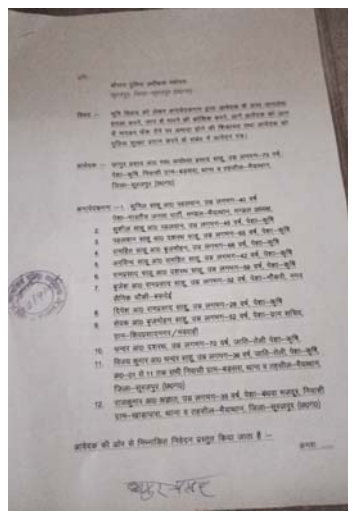

बंधवा मजदूर से करवा रहे फर्जी रिपोर्ट- पीड़ित ने आरोप लगाया कि ग्राम सचिव सेवक साहू एक ओर सरकारी पद पर रहते हुए हमले में शामिल है, वहीं दूसरी ओर राजकुमार नामक मजदूर, जो पिछले 10 वर्षों से उनके घर में काम करता है, से झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी दिलवा रहा है। राजकुमार को अनावेदकगण बंधवा मजदूर की तरह प्रयोग कर रहे हैं और प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

गांव में शांति भंग की आशंका, पीड़ित ने मांगी पुलिस सुरक्षा- छांगुर प्रसाद साहू ने कहा कि अनावेदकगण संगठित रूप से गिरोह की तरह कार्य कर रहे हैं। अब उन्हें और उनके पूरे परिवार को जान का खतरा है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक सूरजपुर से निवेदन किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से अनावेदकों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए और उन्हें व उनके परिवार को पूर्ण पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई जाए।

क्या कहती है कानून व्यवस्था?- वर्तमान प्रकरण केवल एक भूमि विवाद नहीं, बल्कि ग्राम स्तर पर राजनीतिक संरक्षण और भय की संस्कृति को उजागर करता है। जिस प्रकार एक बुजुर्ग किसान को पीट-पीटकर घायल किया गया और फिर उसके खिलाफ ही माहौल बनाने की कोशिशें की जा रही हैं, यह न सिर्फ मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि कानून व्यवस्था पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है।

थाना प्रभारी का बयान: स्नढ्ढक्र दर्ज, धारा बढ़ाने की प्रक्रिया जारी- थाना झिलमिली के प्रभारी निरीक्षक नसीमुद्दीन ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया है कि प्रार्थी छांगुर साहू निवासी ग्राम बड़सरा की शिकायत पर अपराध क्रमांक 113/2025 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। एक्स-रे रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात, प्रकरण में पृथक से धाराएं जोड़ी जाएंगी।

अब देखना यह होगा कि क्या सूरजपुर पुलिस इन गंभीर आरोपों को गंभीरता से लेकर दोषियों पर समय रहते कड़ी कार्रवाई करती है, या फिर यह मामला भी लंबे प्रशासनिक इंतज़ार की भेंट चढ़ जाएगा?

गुणवत्ता का महत्व: सीलिंग फैन दे रहे अच्छी गुणवत्ता के प्रोडक्ट्स अपनाने का सबक

नईदिल्ली। यह कहावत तो आपने सुनी ही होगी ''सस्ता रोए बार-बार, महंगा रोए एक बार' यह हमें सबक देती है कि हमें सस्ती चीज़ों के बजाए अच्छी गुणवत्ता के प्रोडक्ट में निवेश करना चाहिए। यही बात सीलिंग फैन (छत वाले पंखे) पर भी लागू होती है। भारत में उमस भरी गर्मी के बीच सीलिंग फैन का उपयोग कई गुना बढ़ जाता है। हाल ही में हुए अध्ययनों से साफहो गया है कि 1960 के दशक में पंखों को उच्च गुणवत्ता की सामग्री से बनाया जाता था, जो आधुनिक पंखों की तुलना में बहुत लम्बे चलते थे।

अध्ययनों से यह भी साफहो चुका है कि कॉपर-वाइंडिंग वाले पंखे, एलुमिनियम वाइंडिंग की तुलना में दोगुना लम्बे चलते हैं, इसका कारण यह है कि कॉपर अधिक टिकाउ, जंग रोधी और रीसायक्लेबल होता है। वहीं एलुमिनियम वाइंडिंग का इस्तेमाल करने से पंखा जल्दी खराब होता है। कॉपर वाले पंखे आसानी से रिपेयर किए जा सकते हैं, और इनमें व्यर्थ का उत्पादन भी कम होता है। ऐसे में कुल मिलाकर कॉपर वाइंडिंग वाले पंखे से लागत की बचत होती है। कॉपर टिकाउ होने के कारण पंखे में टूट-फूट की संभावना को कम कर देता है, इससे व्यर्थ कम होने से पर्यावरण पर असर कम होता है, साथ ही पैसे की बचत भी होती है। घटिया उत्पादों को बार-बार डिस्पोज़ करने से पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है, जो स्थायित्व के लक्ष्यों में भी बाधा पैदा करता है। इस तरह टिकाउ प्रोडक्ट्स चुनकर आप न सिर्फअपना पैसा बचा सकते हैं, बल्कि धरती के संरक्षण में भी योगदान दे सकते हैं। इसलिए ज़रूरी है कि शॉर्ट-टर्म बचत के बजाए लॉन्ग-टर्म फायदों के बारे में सोचें।

टाटा प्ले बिंज पर अब देखने को मिलेगा प्रसार भारती का वेव्स ओटीटी

नईदिल्ली। टाटा प्ले बिंज पर प्रसार भारती का ओटीटी प्लेटफॉर्म, वेव्स उपलब्ध हो गया है। यह ऐप टाटा प्ले बिंज को और ज्यादा विशाल ग्राहकों के बीच पहुँचाने में मदद करेगा। वेव्स पर सांस्कृतिक और परिवार के साथ बैठकर देखा जा सकने वाला मनोरंजन उपलब्ध है। यहाँ पर क्षेत्रीय, सांस्कृतिक, हिंदी और सदाबहार कार्यक्रम देखे जा सकते हैं। इस साझेदारी द्वारा दूरदर्शन के कार्यक्रम एक ही सदस्यता में टाटा प्ले बिंज पर देखे जा सकेंगे। टाटा प्ले बिंज के दर्शक वेव्स पर उपलब्ध सभी कार्यक्रम देख सकते हैं। यहाँ पूरे परिवार के लिए अलग-अलग इलाकों और संस्कृतियों से जुड़ा मनोरंजन मिलता है। 12 भारतीय भाषाओं में 20,000 से अधिक घंटों के मनोरंजन के साथ वेव्स पर ब्योमकेश बक्षी, फौजी और हम लोग जैसे धारावाहिक देखे जा सकते हैं। साथ ही सरपंच साहब, जाईये आप कहाँ जाएंगे, और डेला बेला जैसे लोकप्रिय आधुनिक कार्यक्रम भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा, अयोध्या से प्रभु श्री राम लला जी की आरती, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात, और कबड्डी विश्वकप, जर्मन फुटबॉल कप प्रतियोगिता - पोकल, हॉकी इंडिया लीग आदि का सीधा प्रसारण भी देख जा सकता है। ओटीटी के साथ प्रसारण द्वारा इस प्लेटफॉर्म पर 35 से अधिक लाईव टीवी चैनल उपलब्ध हो गए हैं, जिससे दर्शकों को टेलीविज़न की पारंपरिकता का अनुभव ओटीटी स्ट्रीमिंग के साथ लेने का मौका मिलेगा। टाटा प्ले की चीफकमर्शियल एवं कंटेंट ऑफिसर, पल्लवी पुरी ने कहा, ''टाटा प्ले बिंज ओटीटी कंटेंट को हर भारतीय तक आसानी से पहुँचाने के लिए शुरू किया गया था। प्रसार भारती के साथ हमारी यह साझेदारी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वेव्स के साथ सांस्कृतिक, समावेशी और विविध कार्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध हुई है। ये कार्यक्रम नए दर्शकों के बीच पहुँचने चाहिए। हमें यह विशाल संग्रह भारतीय परिवारों के बीच पहुँचाने वाला पहला प्लेटफॉर्म होने पर गर्व है, जो देश में सभी लोगों के बीच जाकर उनका मनोरंजन करने और उन्हें सशक्त बनाने में स्ट्रीमिंग की शक्ति प्रदर्शित करता है।'' प्रसार भारती के सीईओ, गौरव द्विवेदी ने कहा, ''वेव्स ऐप हमने जन सेवा की सामग्री को डिजिटल दर्शकों तक पहुँचाने के लिए शुरू किया था, ताकि आज के दर्शक इसका आनंद ले सकें। टाटा प्ले के साथ साझेदारी से यह उद्देश्य मजबूत होता है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र. क्र..... अ/2, वर्ष, 2024-25
वाद भूमि ग्राम संजारी नवागांव प.ह.नं. 42

एतद् द्वारा सर्वसाधारण जनता ग्राम संजारी नवागांव प.ह.नं. 04 तहसील सिमगाजिला बलौदाबाजार-भाटापारा, को सूचित किया जाता है कि आवेदक मंगलदीन पिता दर्देकीराम निवासी ग्राम संजारी नवागांव तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि आवेदक के नाम पर भूमि स्वामी हक में ग्राम संजारी नवागांव प.ह.नं. 04 तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) स्थित खसरा नम्बर 758, 759 रकबा कमशः 0.1100, 0.1200 हे. कुल खसरा नं. 02 कुल रकबा 0.2300 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदिका उक्त भूमि 758, 759 रकबा कमशः 0.1100, 0.1200 हे. कुल खसरा नं. 02 कुल रकबा 0.2300 हे. को औद्योगिक प्रयोजन हेतु पुर्न निर्धारण किये जाने आवेदन पत्र मय शपथ पत्र बी-1, खसरा, नक्शा, ले-आउट एवं बैनामा की छायाप्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त आवेदित भूमि को औद्योगिक प्रयोजन हेतु पुर्न कर निर्धारण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वंय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण नियत सुनवाई पेशी दिनांक 31/07/2025 तक अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति-दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतएवं आज दिनांक 16/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सिमगा, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा

न्या. नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र/ /प्र.1/ तह./2025
रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेहत्तर वर्मा पिता समे वर्मा निवासी ग्राम झाल तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने माता जी फिरन वर्मा पति समे वर्मा के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका मृत्यु दिनांक 28/03/2017 को निवास साकिन में होना व भूलवश ग्राम/नगर पंचायम में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा / आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 24/07/2025 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 04/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार तहसील भिंभौरी, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्रामवासी ग्राम बोरसी को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक राजू पाटिल पिता रामानंद पाटिल निवासी ग्राम करेली द्वारा आवेदन पत्र पेश किया है-कि मेरे परनाना मेहत्तर पिता देव सिंग का मृत्यु दिनांक 05/04/1951 को ग्राम बोरसी में होना बताया है। आवेदक ने आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, चालान प्रति, दाखिला खारिज / अनुपलब्धता प्रमाण पत्र संलग्न कर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का निवेदन किया है।

आवेदक के परनाना मेहत्तर पिता देव सिंग के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा करना हो तो दिनांक 28/07/2025 को स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा आवेदन पेश कर सकते है। नियत दिनांक बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/07/2025 को न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार भिंभौरी
जिला- बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

202507230500044
रा.प्र.क. / अ-2
वर्ष 2024-25

आवेदक रीतेश अग्रवाल, पिता मनोज अग्रवाल, साकिन नवागढ़, तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 13, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 843/33 का रकबा 0.01 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यवसायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 31/07/2025 तक/पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 22/07/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

202507230500043
रा.प्र.क. / अ-2
वर्ष 2024-25

आवेदक मीठलाल, पिता खुनूराम, साकिन ग्राम धौराभांठखुर्द, तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम धौरांभाठखुर्द, प.ह.नं. 45, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख. नं. 143/4 का रकबा 0.12 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यवसायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 04/08/2025 तक/पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 22/07/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

202507230500045
रा.प्र.क. / अ-2
वर्ष 2024-25

आवेदक निलेश अग्रवाल, पिता मनोज कुमार अग्रवाल साकिन नवागढ़ तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़ प.ह.नं. 13, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख. नं. 843/28 का रकबा 0.01 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यवसायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 31/07/2025 तक/पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 22/07/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र. क्र..... अ/2, वर्ष, 2024-25
वाद भूमि ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15

एतद् द्वारा सर्वसाधारण जनता ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15 तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा, को सूचित किया जाता है कि आवेदक तिलकराम पिता झंगलू जाति केंवट निवासी ग्राम सिमगा तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15 तहसील सिमगा स्थित भूमि खसरा नं. 1563/1/3 रकबा 0.0990 हे. आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक उक्त भूमि खसरा नं. 1563/1/3 रकबा 0.0990 हे. को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु पुर्ननिर्धारण किये जाने आवेदन मय शपथ पत्र, बी-1, खसरा, नक्शा, तलवाना संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त आवेदित भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु पुर्न पुर्ननिर्धारण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वंय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण नियत सुनवाई पेशी दिनांक 31/07/2025 तक अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति-दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतएव आज दिनांक 16/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय कं. परमुद्रा सहित जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सिमगा, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा

स्वच्छता रैंकिंग में नगर पंचायत बारसूर का देश में 21वाँ स्थान एवं जी.एफ.सी. में मिला 1 स्टार

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

कार्यालय नगर पंचायत बारसूर द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार पूर्व वर्ष में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में 20,000 से कम जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में राष्ट्रीय रैंकिंग में नगर पंचायत बारसूर को 470 वाँ स्थान प्राप्त हुआ था। इस क्रम में नगर पंचायत बारसूर द्वारा अपनी रैंकिंग को बेहतर करते हुए स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर 21वां स्थान प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में 20,000 से कम जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में राष्ट्रीय रैंकिंग में नगर पंचायत बारसूर को 21वीं स्थान प्राप्त हुआ है। इसमें मुख्य रूप से स्वच्छता सूचकांक के तहत घर-घर जाकर कचरा संग्रहण स्रोत, पृथक्कीकरण अपशिष्ट उत्पादन का प्रसंस्करण, आवासीय क्षेत्रों की सफाई, बाजार क्षेत्रों की सफाई, जल निकायों की सफाई, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई, सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई जैसे कार्य आदि शामिल है। इसके अलावा नगर पंचायत को जी.एफसी. सर्वेक्षण की कैटगरी में 1 स्टार का दर्जा एवं ओ.डी.एफ की कैटेगरी में भी इस साल ओ.डी.एफ डबल प्लस का दर्जा प्राप्त हुआ है। इस संबंध में मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा समस्त नागरिकों को स्वच्छता में सहयोग हेतु आभार व्यक्त करते हुए अपील किया है कि, अपने घरों आवासीय क्षेत्रों, संस्थानों, होटलों आदि स्थानों से निकलने वाले कचरे में से गीले सूखे कचरे को अलग-अलग कर स्वच्छता दीदियों को देवें एवं खुले स्थानों, तालाबों, सार्वजनिक क्षेत्रों में कचरे को ना फेंके, इसके अलावा पॉलीथिन का उपयोग न करने, खुले में कचरा न जलाने के साथ ही खुले में शौच न करने की बात भी कहीं गई। ताकि आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर पंचायत बारसूर को उत्कृष्ट रैंकिंग प्राप्त हो सके।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु नगर पंचायत बारसूर द्वारा घुमन्तु पशुओं में रेडियम पट्टी एवं टैग लगाने की गई पहल – कार्यालय नगर पंचायत बारसूर द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार अक्सर अंधेरे में पशु सड़क के बीचो-बीच बैठे रहते है और दूर से दिखाई न देने के कारण तेज रफ्तार वाहनों से उनकी टक्कर हो जाती है। जिससे न केवल गंभीर हादसे होते है बल्कि पशुओं की जान भी चली जाती है। सड़कों पर आवारा पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए नगर पंचायत बारसूर द्वारा सड़को पर घूम रहे आवारा पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और वाहन चालकों को संभावित हादसों से बचाने के लिए उन पर रेडियम पट्टी और रेडियम टैग लगाए जा रहे है। रेडियम की चमक से ये पशु दूर से ही नजर आ जाएंगे, जिससे वाहन चालक समय रहते ही अपने वाहन की गति पर नियंत्रण कर सकेंगे। यह कदम रात के अंधेरे से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस संबंध में मुख्य नगरपालिका अधिकारी, गिरीश तिवारी ने स्थानीय पशु पालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को घर पर बाँधकर रखे, खुले स्थानों व सड़कों पर न छोड़े। जिससे आवारा पशुओं से होने वाले दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

ग्राम हसदा में शिक्षा व पोषण व्यवस्था का निरीक्षण – बच्चों के साथ बैठीं ज़िला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते मंगलवार को ज़िला पंचायत बेमेतरा की अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी ने ग्राम हसदा के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। यह दौरा शिक्षा की गुणवत्ता और मिड-डे मील योजना की स्थिति का जमीनी मूल्यांकन करने के उद्देश्य से किया गया।

श्रीमती तिवारी ने शासकीय प्राथमिक शाला, मिडिल स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूल तथा सरस्वती शिशु मंदिर का भ्रमण किया और अलग-अलग कक्षाओं में बच्चों से सीधे संवाद किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने न केवल शिक्षकों से शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली, बल्कि कक्षा में बैठकर बच्चों की पढ़ाई में रुचि और समझ को भी करीब से परखा। इस दौरान उन्होंने किताबों की उपलब्धता, शिक्षक उपस्थिति और पठन-पाठन के माहौल का जायजा लिया।

मिड-डे मील योजना पर विशेष ध्यान देते हुए श्रीमती तिवारी ने भोजन की गुणवत्ता, मात्रा, सफाई व्यवस्था और बच्चों की संतुष्टि के बारे में जानकारी ली। बच्चों ने भी खुशी-खुशी भोजन की गुणवत्ता को लेकर अपनी राय साझा की।

इस निरीक्षण के दौरान एक भावनात्मक दृश्य तब देखने को मिला, जब श्रीमती तिवारी बच्चों के बीच बैठीं और उनसे आत्मीय संवाद किया। बच्चों के चेहरों पर उत्साह और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था।

श्रीमती तिवारी ने कहा:÷शिक्षा और पोषण किसी भी समाज की सबसे सशक्त बुनियाद होते हैं। हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करे और स्कूल में पोषणयुक्त भोजन से स्वस्थ रहे। बच्चों का भविष्य बेहतर तभी बनेगा जब हम उन्हें विद्यालय में संपूर्ण विकास का वातावरण देंगे।÷

इस अवसर पर ग्रामवासियों, पालकों और शिक्षकों ने श्रीमती तिवारी के इस जमीनी निरीक्षण की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की सहभागिता प्रशासन और जन-प्रतिनिधियों के बीच विश्वास को और मज़बूत बनाती है।और भारतीय जनता पार्टी कि मा बिष्णु देव की सरकार लक्ष्य ही है । बच्चों को अच्छा शिक्षा मिले और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण हो।

'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान के तहत विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि और कलेक्टर ने किया निशुल्क पौधा का वितरण

■ 22 जुलाई से 8 अगस्त तक होगा निशुल्क पौधा वितरण

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा – जिला प्रशासन एवं उद्यानिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ÷एक पेड़ माँ के नाम 2.0÷ अभियान के अंतर्गत आज से निःशुल्क फलदार पौधा वितरण कार्यक्रम जिला कार्यालय में प्रारंभ हुआ। यह कार्यक्रम 22 जुलाई से 8 अगस्त, 2025 तक जिले भर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर स्थानीय विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविन्द कुंजाम, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा आमजन को अमरूद, आंवला, नींबू, कटहल और काजू जैसे फलदार पौधे वितरित किए गए। पौधा वितरण कार्यक्रम में जनसामान्य की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना एवं लोगों को फलदार वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान न केवल हरियाली बढ़ाने का कार्य करेगा, बल्कि इससे आम नागरिकों को आर्थिक लाभ भी होगा, क्योंकि फलदार वृक्ष भविष्य में आय का स्रोत बन सकते हैं। इस संबंध में जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पौधे लेकर उन्हें अपने घर, खेत या आस-पास के स्थानों पर लगाएं और पर्यावरण को संरक्षित करने में अपना योगदान दें।इस मौके पर उद्यान विभाग क्र सहायक संचालक श्रीमती मीना मड़ावी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिला जेल दंतेवाड़ा का निरीक्षण करने पहुंचे कलेक्टर दुदावत

■ जेल की सुरक्षा व्यवस्था, सहित कैदियों को दी जा रही मूलभूत सुविधाओं जैसे स्वास्थ्य परीक्षण, खानपान, *स्वच्छता एवं कौशल विकास के संबंध में दिए गए निर्देश

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा – कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा बीते मंगलवार को जिला जेल दंतेवाड़ा का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक गौरव राय, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे, जेल अधीक्षक अलोइश कुजुर उपस्थित थे। इस दौरान कलेक्टर ने सर्वप्रथम जिले के सभी बंदी बैरकों का निरीक्षण करते हुए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था, के संबंध में दिशा निर्देश दिए। और जिला जेल में चल रहे निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को कहा। इस क्रम में उन्होंने बंदियों से प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं जैसे दैनिक भोजन व्यवस्था, वस्त्रादि, स्वास्थ्य परीक्षण, विधिक सहायता की जानकारी ली। ज्ञात हो कि जिला जेल में वर्तमान में 6 कैदी 182 सामान्य हवालाती एवं 307 नक्सली बंदीकृत है।

इसके साथ ही उन्होंने जेल प्रशासन द्वारा बंदियों के कौशल विकास हेतु चलाये जा रहे कम्प्यूटर प्रशिक्षण स्कूल साक्षरता कक्षा, पुस्तकालय, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, एवं स्वास्थ्य परीक्षण कक्ष का अवलोकन करते हुए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर दुदावत ने कैदियों को मिलने वाले भोजन का अवलोकन करते हुए बंदियों के स्वास्थ्य पर चर्चा कर आवश्यक्तानुसार दवाइयां उपलब्ध कराने को कहा।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोगाम में ''स्मार्ट क्लास'' का उद्घाटन

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा – विकासखंड दंतेवाड़ा अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भोगाम में ''स्मार्ट क्लास'' का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस ''स्मार्ट क्लास'' की स्थापना में एचडीएफसी बैंक का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है। विद्यालय के छात्रों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि अब उन्हें पढ़ाई में अधिक रुचि आने लगी है क्योंकि स्मार्ट क्लास के माध्यम से वे वीडियो और डिजिटल सामग्री की सहायता से विषयों को बेहतर ढंग से समझ पा रहे हैं। शिक्षकों का भी मानना है कि इस आधुनिक तकनीक से न केवल पढ़ाई आसान हो गई है, बल्कि छात्रों की सहभागिता और समझने की क्षमता में भी वृद्धि हुई है। विद्यालय प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ ने एचडीएफसी बैंक के प्रति आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इस प्रकार की पहले जारी रहेगी, जिससे आदिवासी अंचलों में शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर किया जा सके।

एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने की चिटफंड मामलों की समीक्षा, फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु दिए निर्देश

■ थानो में पंजीबद्ध चिटफंड कंपनी के विरूद्ध अपराधों में फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर जल्द से जल्द प्रकरण का निकाल करने दिए गए निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने बीते मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बेमेतरा में जिले में गठित विशेष टीम के साथ बैठक कर विभिन्न थानों में पंजीबद्ध चिटफंड संबंधित प्रकरणों की गहन समीक्षा की। जिसमें में थानो में पंजीबद्ध चिटफंड कंपनी के विरूद्ध अपराध के प्रकरणों का जल्द से जल्द निकाल करने हेतु गठित टीम की बैठक लेकर चिटफंड कंपनियों से संबंधित प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा की गई। एसएसपी साहू ने फरार चल रहे आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम जनता के साथ आर्थिक धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, निरीक्षक दुलेश्वर चंद्रवंशी, स्टेनो सउनि (अ) अजय देवांगन, एसएसपी रीडर सउनि विष्णु सप्रे, सहायक उप निरीक्षक कंवल सिंह नेताम, प्रधान आरक्षक मानदास साहू, नोहर यादव, विक्रम सिंह सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नालसा द्वारा संचालित साथी विशेष इकाई के सदस्यों द्वारा बच्चों के लिए आधार पंजीयन कैम्प का आयोजन किया गया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के आदेशानुसार तथा अध्यक्ष / प्रधान जिला न्यायाधीश वृजेन्द्र कुमार शास्त्री के मार्गदर्शन मे व श्रीमती निधि शर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशन में नालसा द्वारा संचालित ÷साथी अभियान के तहत गठित विशेष इकाई समिति के द्वारा आधार सेवा केन्द्र नवागढ़ में बेसहारा बच्चों के लिए आधार नामांकन कैम्प आयोजन किया गया। उक्त कैम्प में दो बच्चों का आधार पंजीयन करा कर विधिक सहायता प्रदान किया गया तथा कैम्प में उपस्थित लोगों को बताया गया कि जिन बच्चों का आधार पंजीयन नहीं हुआ है 7 उनको साथी विशेष इकाई के द्वारा आधार नामांकन कराकर, विधिक सहायता प्रदान किया जाता है और उन्हे सरकारी योजनाओं से जोड़ने व अन्य योजनाओं से लाभ दिलाये जाने की मद् की जाती है। उक्त कैम्प में के माध्यम से उपस्थित लोगो यह संदेश दिया गया कि अपने आस-पास यदि कोई ऐसे बेसहारा बच्चें घूमते दिखाई दे जिनका आधार नामांकन नहीं हुआ है, वे विधिक सहायता प्राप्त कर अपना आधार पंजीयन आवश्यक रूप से बनाने की सलाह दी गई। उक्त कैम्प में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के अधिकार मित्र एवं आधार सेवा केन्द्र नवागढ के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुस्तलनार में 75 किसानों का हुआ फसल बीमा

■ किसानों को मूंगफल्ली की फसल लगाने हेतु किया गया प्रेरित

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मुस्तलनार में बीते मंगलवार को ग्राम पंचायत सरपंच मनोज कोर्राम एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुरेश सावरागिरि की उपस्थिति में मुस्तलनार के 75 किसानों का फसल बीमा कराया गया एवं दंतेवाड़ा कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार मूंगफल्ली की फसल को कलस्टर बेस में चयन किया गया है और किसानों को अधिक से अधिक मूंगफल्ली लगते हैं तो प्रेरित किया गया है । इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच मनोज कोर्राम एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुरेश सावरागिरी ने सभी किसानों से अपने खेत एवं बाड़ी में अधिक से अधिक मूंगफल्ली की फसल लगाने हेतु आग्रह किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच मनोज को राम एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुरेश सांवरागिरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पुलिस और राजस्व विभाग के अफ़सरों ने क्या नही की जांच..?, क्या सिस्टम अब सिर्फरसूखदारों के लिए काम करता है..?

न्याय न मिलने से टूटी 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला, मांगी इच्छा मृत्यु

मूक पत्रिका/ जांजगीर चांपा/सक्ती – छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में प्रशासनिक लापरवाही और सिस्टम की संवेदनहीनता ने एक बुजुर्ग महिला को इस कदर तोड़ दिया कि उसने अब राज्यपाल से इच्छा मृत्यु की अनुमति की मांग की है। मामला डभरा तहसील के ग्राम ठनगन का है और मामला पैतृक ज़मीन से जुड़ा है, ग्राम ठनगन स्थित कुल 18 रकबा यानी लगभग 4.581 हेक्टेयर भूमि जो प्रमेन्द्र कुमार पिता धनचंद, देवश्री पिता धनचंद एवं स्वयं सजीला बाई पत्नी कार्तिकराम के नाम पर बी1 एवं ऋण पुस्तिका में दर्ज है। जिसका तीन हिस्से में बटवारा करने तहसील कार्यालय डभरा में आवेदन लगाया तब उन्हे पता चला कि उनके जमीन खसरा नंबर 980/1 में से 0.324 हेक्टेयर जमीन को बिना उनकी जानकारी और सहमति के, फर्जी हस्ताक्षर और कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर बेचा गया।

पीड़िता का आरोप है कि फर्जी फोटो लगाकर और जाली पहचान-पत्रों के आधार पर यह खेल खेला गया, और

रजिस्ट्री पूरी कर दी गई। जिसके बाद से पीड़िता पुलिस, तहसील और रजिस्ट्री कार्यालय से अपनी जमीन पाने गुहार लगाई लेकिन उन्हें न तो न्याय मिला और न ही प्रशासन कोई ठोस कार्यवाही की।

प्रशासनिक मशीनरी पर उठे सवाल– क्या फर्जी रजिस्ट्री बिना अधिकारियों की मिलीभगत के संभव थी..? जब महिला के पास खतौनी, नक्शा और साक्ष्य हैं तो कार्रवाई क्यों रुकी है..? तहसील, पुलिस और राजस्व विभाग के अफ़सर चुप क्यों हैं..? आखिर क्यों एक 70 वर्षीय महिला को ÷इच्छा मृत्यु÷ तक की मांग करनी पड़ी..? आखिर इन सवाले के जवाबदार कौन है।

कार्यालय में आवेदन देकर राज्यपाल से मांगी इच्छा मृत्यु– पीड़िता ने कलेक्टर कार्यालय के द्वारा छत्तीसगढ़ के राज्यपाल को औपचारिक पत्र भेजकर इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी है। इसमें उन्होंने अपना दर्द, दस्तावेज और प्रशासनिक उदासीनता के प्रमाण भी जोड़े हैं। अब देखना होगा क्या सिस्टम अब सिर्फ रसूखदारों के लिए काम करता है..? या फिर एक 70 वर्षीय महिला को न्याय दिलाता है..? यदि शासन इस मामले में अब भी चुप रहा, तो यह सिर्फ एक महिला की हार नहीं होगी, बल्कि न्याय और संवैधानिक व्यवस्था की भी हार होगी। यह मामला सिर्फएक महिला की ज़मीन पर फर्जीवाड़े का नहीं है, बल्कि पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह है। जब तक इस तरह की घटनाओं पर सख्त कार्यवाही नहीं होती, भू-माफिया गरीब, महिला और बुजुर्गों के हक़ छीनते रहेंगे।

मुझे मेरी ही अपनी पैतृक ज़मीन के लिए अपमानित होकर लड़ना पड़ रहा है। जब जीते जी न्याय नहीं मिल सकता, तो कृपा कर मृत्यु की अनुमति दे दो साहब।

श्रीमती सजीला बाई, पीड़िता

जिला कांग्रेस कमेटी ने किया रायपुर जबलपुर मार्ग पर चक्का जाम

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर राज्य की आर्थिक नागेश बंदी करने के उद्देश्य से बेमेतरा जिला मुख्यालय में बायपास मार्ग पर दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक चक्का जाम किया इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा की केंद्र सरकार और राज्य सरकार के खिलाफनारेबाजी की चक्का जाम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं तथा आम जनता को पूर्व कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे ने सभा को संबोधित किया जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार विपक्षी दल के सदस्यों को अपने आका अडानी और अंबानी के इशारे पर दबाने में लगी हुई है अपनी नाकामी को दबाने के लिए भाजपा सरकार देश में मिलिट्री शासन लागू करना चाहती है जिसका हम विरोध करते हैं सभा को जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि भाजपा की या डबल इंजन सरकार संविधान द्वारा प्रदत सभी के अधिकारों को छिन्ना चाहती है देश का जो आपसी भाईचारा का ताना-बाना है उसे छिन्ह भिन्न करना चाहती है देश के प्रमुख जांच एजेंसियों को भाजपा आज अपनी एजेंट बनकर रख

दी है जो भी भाजपा के खिलाफ आवाज उठाएगी उसे ईडी सीबीआई या अन्य जांच एजेंसी के माध्यम से प्रताड़ित किया जाएगा और इसी कड़ी में राजनीति से दूर-दूर तक कोई वास्ता न रखने वाले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल को झूठे मामले में फंसा कर भाजपा सरकार भूपेश बघेल जी का मुंह बंद करना चाह रही है जो जन-जन की आवाज बनकर भाजपा के आंखों में गढ़ रहे हैं और कानों में गूंज रहे हैं अब तक कई सरकारी आई और गई परंतु किसी ने भी इस तरह संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग नहीं किया जैसा आज भाजपा कर रही है सत्ता आती और जाती है इन्हें भी याद रखना होगा जो ये कर रहे हैं वो लौट के फिर आएगा कांग्रेस का कार्यकर्ता भाजपा के इन नापाक इरादों से डरने वाले नहीं है चाहे जिस भी एजेंसी का और जितना भी दुरुपयोग करना चाहे बीजेपी कर ले कांग्रेस जनहित से समझौता नहीं करने वाली है भाजपा सरकार आज अडानी अंबानी की गोद में बैठ गई है और इन्हें फायदा पहुंचाने के लिए किसी भी हद में जा सकती है पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हौसले बुलंद है वह इन सब चीजों की परवाह नहीं करते आज भाजपा एक पेड़ मां के नाम और सारा जंगल अडानी के नाम कर रही है सभा को पूर्व कैबिनेट मंत्री गुरु रुद्र कुमार पूर्व संसदीय सचिव गुरु दयाल सिंह बंजारे ने भी संबोधित किया इस दौरान जिले भर से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता चक्का जाम स्थल पर डटे रहे और चक्का जाम को सफल बनाने का प्रयास किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से ललित विश्वकर्मा महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा सुरेंद्र तिवारी सुमन गोस्वामी अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा लुकेश वर्मा राम बिहारी राजपूत संतोष वर्मा हरीश साहू शशि प्रभा गायकवाड बाल कुमारी ध्रुव सुशील जोशी रवि परगनिया शुभम वर्मा मिथिलेश वर्मा चंद्र प्रकाश साहू विजय बघेल झम्मन बघेल प्राणीश चौबे अविनाश तिवारी टी आर जनार्दन ओम दाऊ कविता साहू मनोज शर्मा रीता पांडे रश्मि मिश्रा राजकुमार बंजारे बोधन साहू देवा गर्ग राजू रजक भीखम साहू ओमप्रकाश साहू यौवन डिंडोरे कौनैन अली राहुल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में किया गया छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल बेमेतरा का घेराव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल कार्यालय बेमेतरा का घेराव किया गया जिसमें कांग्रेस जनों ने मांग की है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विद्युत दरो में की गई बढ़ोतरी को तुरंत वापस लिया जाए साथ ही साथ जिस तरह से बेमेतरा जिले एवं विधानसभा में विद्युत कटौती की जा रही है उसे बंद किया जाए लोग विद्युत ट्रांसफार्मर के लिए विद्युत कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं उन्हें ट्रांसफार्मर नहीं मिल पा रहा है इंसुलेटर ए बी स्विच की कमी बेमेतरा जिले में बनी हुई है साथ ही साथ लोगों के घरों में अनाप-शनाप विद्युत बिल भेजे जा रहे हैं स्मार्ट मीटर के नाम पर आम जनता को लूटा जा रहा है उसे बंद किया जाए इन सब मांगों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के तत्वाधान में कार्यपालन अभियंता विद्युत मंडल बेमेतरा संभाग का घेराव किया गया आम जनता तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में भाजपा को सत्ता संभाले हुए 2 वर्ष भी नहीं हुए हैं और भाजपा सरकार ने कितने दिनों में चार बार विद्युत की दरो में बढ़ोतरी कर डाली है आज आम आदमी अपना घर नहीं चला पा रहा है तो वह इतना भारी भरकम बिजली बिल कैसे चुका पाएगा भाजपा सरकार द्वारा कांग्रेस शासन के समय प्रारंभ की गई विद्युत बिल में छुट को भी बंद कर दिया गया है लगातार विद्युत टैरिफ बढ़कर आम जनता को लूटा जा रहा है भाजपा के कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि को आम जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है चारों ओर लूट मची हुई है सारे भाजपाई राज्य को लूटने में कहीं कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं हम कांग्रेस कार्यकर्ताओं का ऐसी हालत में फर्ज हो जाता है कि हम आम जनता की आवाज बनकर प्रशासन के कानों में गूंजे और उन्हें आम जनता को राहत पहुंचाने के लिए विवश करें घेराव के इस कार्यक्रम में ललित विश्वकर्मा महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा सुरेंद्र तिवारी सुमन गोस्वामी अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा लुकेश वर्मा राम बिहारी राजपूत संतोष वर्मा हरीश साहू शशि प्रभा गायकवाड बाल कुमारी ध्रुव सुशील जोशी रवि परगनिया शुभम वर्मा मिथिलेश वर्मा चंद्र प्रकाश साहू विजय बघेल झम्मन बघेल प्राणीश चौबे अविनाश तिवारी टी आर जनार्दन ओम दाऊ कविता साहू मनोज शर्मा रीता पांडे रश्मि मिश्रा रूबी सलूजा रमा साहू रवि रजक प्रतिभा गीर रीना साहू शत्रुघ्न साहू जोगिंदर छाबड़ा पप्पू साहब दीपक दिनकर सनत धर दीवान राजू साहू प्रांजल तिवारी राजा चौबे अजय राज सेन शुभम गंधर्व पप्पू साहब नवाज खान सुनील नामदेव राजा साहू सिद्दीक खान सुमित राजपूत अर्पित परगनिहा विक्की साहू राजू साहू जयंत जांगड़े प्रवीण शर्मा प्रतीक दुबे ऋतिक तिवारी वैभव मिश्रा सहदेव साहू सीताराम यदु प्रकाश साहू बलवंत साहू लाला कटारे नितेश वैष्णव भारत पटेल दिल हरण साहू बहल वर्मा ऋषि वर्मा मोहित वर्मा भाव सिंह राज राजेंद्र वर्मा राम ठाकुर धरम वर्मा चंद्र प्रकाश शीतलानी नवीन ताम्रकार प्रकाश ठाकुर रामखिलावन साहू नरेंद्र धीवर राजकुमार सेन गुड्डु सेन गोविंदा राजपूत चितरेन वर्मा गौरीशंकर शर्मा टोनू देवांगन भागवत साहु टूमन साहू राजेश नायक राजेंद्र वर्मा देवा गर्ग राजू रजक भीखम साहू ओमप्रकाश साहू यौवन डिंडोरे कौनैन अली राहुल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

जिलेभर में 19479 जोड़ी महिला चरण पादुका का हो रहा वितरण, महिलाओं के चहरे पर बिखरी मुस्कान

जनता ने माना आभार, कहा- मोदी की एक और गारंटी हुई पूर्ण

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों की महिलाओं को विशेष सुविधा देने के उद्देश्य से प्रदेश में पुनः चरण पादुका वितरण योजना प्रारंभ किया गया है। इस योजना के तहत दंतेवाड़ा जिले के सात समितियों के माध्यम से कुल 19479 जोड़ी महिला चरण पादुका वितरण किया जाना है. इनमें से 9120 जोड़ी चरण पादुका का वितरण जिले के विभिन्न तेंदूपत्ता संग्रहण फड़ में किया जा चुका है. चरण पादुका का वितरण स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंच, सरपंच, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, प्रबंधक एवं फड़ मुंशी की उपस्थिति में किया जा रहा है. प्रदेश में लगभग 5 वर्षों से बंद जनता से जुड़ी महत्वपूर्ण चरण पादुका वितरण योजना मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में पुनः संचालित की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा चरण पादुका योजना की पहल तेंदूपत्ता संग्राहक महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। पूर्ववर्ती सरकार में यह योजना बंद कर दी गई थी जिसे तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के हित में पुनः प्रारंभ किया गया है। जिससे उन्हें जंगलों में कार्य करते समय उनके पैरों को सुरक्षा मिल सके। राज्य सरकार की यह योजना ग्रामीण और वनों में कार्यरत महिला श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक में पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने के दिए निर्देश

वर्ग के कल्याण के संचालित योजनाओं से लाभान्वित करें, पीड़ितों को राहत एवं सहायता राशि तत्काल मुहैया कराएं

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक ली। कलेक्टर ने बैठक में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अंतर्गत न्यायालयों में दर्ज प्रकरणों में यथाशीघ्र कार्यवाही करते हुए दोषियों पर कार्रवाई करने एवं पीड़ितों को न्याय दिलाने में प्राथमिकता सुनिश्चित करने कहा। बैठक में कलेक्टर ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अंतर्गत दर्ज प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए आवश्यक सहायता एवं मुआवजा राशि वितरण कार्य में शीघ्रता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी तरह अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना अंतर्गत दिए जाने वाले प्रोत्साहन राशि स्वीकृति कार्य शीघ्र करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति निवारण अधिनियम अंतर्गत अपराध की सूचना प्राप्त होने पर संबंधित पुलिस अधिकारी द्वारा तत्परता पूर्वक वही कार्रवाई कर अपराध कायम किया जाए। उन्होंने कहा कि अत्याचार से पीड़ित व्यक्ति उसके आश्रित तथा साक्षियों को आवश्यक यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता, भरण पोषण एवं परिवहन की सुविधा मुहैया कराया जाए। उन्होंने कहा कि दोषियों की तत्परता पूर्वक गिरफ्तारी एवं उनके विरुद्ध अभियोजन के साथ विशेष न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया जाए। विशेष लोक अभियोजन द्वारा न्यायालय में प्रभावी रूप से अभियोजन के पक्ष की प्रस्तुति किया जाए। विशेष न्यायालय द्वारा दोष मुक्ति के प्रकरणों में दोष मुक्ति के कारणों का स्पष्ट उल्लेख हो, एवं अपील योग्य प्रकरणों में अपील की कारवाई किया जाये। अपराधियों के विरुद्ध शीघ्रता से गिरफ्तारी की कारवाई किया जाए। बैठक में अनुसूचित जाति,जनजाति अंतर्गत न्यायालय में दर्ज प्रकरणों की जानकारी ली गई। बैठक में उन्होंने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए।

जिला स्तरीय 'कौशल तिहार 2025' का आयोजन 23 जुलाई को बेमेतरा में

प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को मिलेगा तकनीकी कौशल प्रदर्शन और नौकरी के अवसर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में जिले में कौशल विकास के प्रति युवाओं में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें तकनीकी क्षमताओं के प्रदर्शन का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से ÷कौशल तिहार 2025÷ का आयोजन दिनांक 23 जुलाई 2025 को प्रातः 10:00 बजे से जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज, चोरभट्ठी, बेमेतरा में किया जा रहा है। यह जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत वर्ष 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के अंतर्गत प्रशिक्षित तथा प्रशिक्षणरत युवाओं के लिए आयोजित की जा रही है। इसमें ऑटोमोटिव सर्विस टेक्निसियन लेवल-03, असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन एवं सोलर पंप टेक्निसियन कोर्स में चयनित युवा अपने तकनीकी कौशल का मूल्यांकन एवं प्रदर्शन कर सकेंगे। इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं में आत्मविश्वास एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास किया जाएगा तथा इंडिया स्किल्स 2025 और वर्ल्ड स्किल्स 2026 के लिए संभावित प्रतिभाओं की पहचान की जाएगी। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता (28 से 30 जुलाई 2025) में भाग लेंगे। राज्य स्तर पर चयनित 3 विजेताओं को क्रमशः 25,000 (प्रथम), 15,000 (द्वितीय) एवं 10,000 (तृतीय) की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

छत्तीसगढ नागरिक सुरक्षा फाउंडेशन के सरगुजा इकाई की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

अम्बिकापुर /सरगुजा/मूक पत्रिका

शासन द्वारा पंजीकृत एवम मान्यता प्राप्त राज्यस्तरीय सामाजिक संस्था छत्तीसगढ नागरिक सुरक्षा फाउंडेशन की सरगुजा इ?काई के तत्वावधान में दिनांक 20 जुलाई 2025 को अम्बिकापुर के होटल पुनम के सभागार में प्रथम परिचयात्मक बैठक का आयोजन , प्रदेश उपाध्यक्ष मयंक जायसवाल , महिला प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ पूर्णिमा सिंह , तथा सरगुजा जिले के जिलाध्यक्ष वेद नारायण साहू की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। बैठक में फाउंडेशन के मुख्य पदाधिकारियों द्वारा मुख्य रुप से फाउंडेशन के व्यापक विस्तार एवं फाउंडेशन द्वारा प्रदेश स्तर पर किये जा रहे विभिन्न् गतिविधियों के संबंध में ?विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। इसके पश्चात फाउंडेशन के समस्त पदाधिकारियों द्वारा जिला सरगुजा में विभिन्न स्तरों पर सामाजिक उत्थान के तहत फाउंडेशन के माध्यम से किस प्रकार से क्या क्या कार्य किया जा सकता है इस पर आवश्यक रुपरेखा बनाते हुए ब्लुप्रिंट बना कर कार्यवाही करने की बात कही गयी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में फाउंडेशन के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों क्रमशः सुषमा जायसवाल,साधना मिश्रा, सरोज सिंह, धनंजय गुप्ता, सुशील मलिक का सहयोग सराहनीय रहा। उक्ताशय की जानकारी फाउंडेशन की मिडिया प्रभारी एवं सा?माजिक कार्यकर्ता श्रीमती साधना कश्यप द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी ?कर दिया गया।

समृद्ध छत्तीसगढ़ किसान संघ बेमेतरा इकाई ने अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रदेश में मानसून का दौर चल रहा है ऐसे में किसान अपने खेतों में फसल लेने के लिए दिन रात मेहनत कर रहे है किसानों के हित को देखते हुए बीते मंगलवार को समृद्ध छत्तीसगढ़ किसान संघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बेमेतरा कलेक्टर के पास ज्ञापन सौंपने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए 5 सूत्रीय मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रह किया। समृद्ध छत्तीसगढ़ किसान संघ के जिला अध्यक्ष पंचम साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि, समृद्ध छत्तीसगढ़ किसान संघ द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है और ज्ञापन में 5 सूत्रीय मांगों को पूरा करने की मांग की गई है, जिसमें सभी सोसाइटीयों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने, केंद्र सरकार द्वारा पिछले वर्ष धान पर बढ़ाए गए समर्थन मूल्य को किसानों के खाते में डालने, वर्ष 2022-23 में धान खरीदी की चौथी किस्त की बकाया राशि को तत्काल किसानों को देने और बिजली बिल के प्रति यूनिट में बढ़ाए गए दर को तत्काल वापस लेकर पूर्व की तरह करने की प्रमुख मांग की गई है, और उन्होंने चेतावानी देते हुए कहा है कि, अगर जल्द से जल्द उनकी ये मांगे पूरी नहीं की जाती तो आने वाले दिनों में समृद्ध छत्तीसगढ़ किसान संघ द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बाढ़ आपदा की स्थिति में प्रभावितों को राहत पहुंचाने सतर्क रहे

पदेन दायित्वों का निर्वहन सर्वोच्च प्राथमिकता से करें : कलेक्टर शर्मा

अधिकारी कर्मचारी नियत समय पर कार्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित करें

रजत जयंती समारोह के लिए विभाग प्रमुख कार्यक्रम नियोजित करें

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जिला कार्यालय के दिशा सभा कक्ष में बीते मंगलवार को जिलाधिकारियों की बैठक लेकर शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी सौंपे गए पदेन दायित्वों का निर्वहन सर्वोच्च प्राथमिकता से करें। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय अधिकारी कर्मचारी अपने पदेन दायित्वों का निर्वहन करते हुए योजनाओं का सफल क्रियान्वयन करें। उन्होंने संवेदनशीलता और गंभीरता का परिचय देते हुए कार्य करने निर्देशित किया। कलेक्टर शर्मा ने वर्तमान मानसून को मद्देनजर रखते हुए जिले में वर्षा एवं बाढ़ आपदा की जानकारी ली। कलेक्टर ने राजस्व सहित अन्य विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में कहीं भी बाढ़ की स्थिति निर्मित होने पर तत्काल प्रभावितों को राहत पहुंचा जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि चिन्हांकित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर पैनी नजर रखें। बाढ़ आपदा की स्थिति निर्मित होने पर प्रभावितों को राहत पहुंचाने में विलंब ना हो यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर शर्मा ने सभी अधिकारी कर्मचारियों को नियत समय पर कार्यालय में उपस्थित रहकर कार्य संपादित करने निर्देशित किया है। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि निर्धारित समय में कार्यालय में उपस्थित नहीं होने वाले अधिकारी कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी कर्मचारी नियत समय का ध्यान रखें और कर्तव्य निर्वहन प्राथमिकता से करें। कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ राज्य गठन की 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे रजत जयंती कार्यक्रम के संबंध में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उल्लेखनीय है छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य शासन द्वारा रजत जयंती आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। यह आयोजन 15 अगस्त 2025 से अगले साल 06 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा। इसके अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण 15 अगस्त से 31 अक्टूबर 2025 तक एवं दूसरा चरण 1 नवंबर 2025 से 6 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। रजत जयंती के अवसर पर राज्य शासन के सभी विभागों के द्वारा साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान विभागीय योजनाओ के अंतर्गत हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। कलेक्टर शर्मा ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि रजत जयंती कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए एक निर्धारित कार्यक्रम तैयार कर लेंवे। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने कहा कि रजत जयंती कार्यक्रम का आयोजन शासन की मंशा अनुरूप होनी चाहिए। इस अवसर पर एडीएम डॉ. अनिल बाजपेई एवं सर्व एसडीएम उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।